सुविचार

गलती जीवन का एक पन्ना है लेकिन रिश्ता पूरी एक किताब है
जरूरत पड़ने पर गलती का एक पन्ना फाड़ देना, लेकिन एक पन्ने के लिए पूरी किताब कभी ना खो देना...

प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

टी20 में भारत की नई शुरुआत, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना हुई टीम; वैभव-श्रेयस पर रहेंगी नजरें...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 173 | दिनांक : बुधवार, 24 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

नागरिक अलंकरण समारोह-2; राष्ट्रपति मुर्मु ने 65 विशिष्ट हस्तियों को दिए पद्म सम्मान

शिबू सोरेन-रोहित शर्मा समेत कई दिग्गज अलंकृत

- राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदान किए पद्म पुरस्कार, खेल, कला और समाज सेवा की विभूतियां सम्मानित
- देश की 65 विशिष्ट हस्तियों का हुआ सम्मान, रोहित को पद्मश्री और विजय अमृतराज को पद्म भूषण

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

23 जून (एएम नाथ)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-2 में देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 65 हस्तियों को सम्मानित किया गया। पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं और इन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्मश्री की तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, पूर्व न्यायाधीश के.टी. थॉमस को समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पद्म विभूषण प्रदान किया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन सहित कई अन्य विशिष्ट हस्तियों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

पद्म भूषण प्राप्त करने वालों में दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज, मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी और प्रसिद्ध पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक प्रमुख रहे।

खेल जगत से जुड़े कई नाम इस वर्ष पद्म पुरस्कार सूची में शामिल रहे। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया। महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पूनिया को भी पद्मश्री सम्मान मिला, जबकि मध्य प्रदेश के भगवानदास रायकवार को मरणोपरांत पद्मश्री प्रदान किया गया।

केंद्र सरकार ने इस वर्ष कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी। इनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

वर्ष 1954 में शुरू हुए पद्म सम्मान कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, सार्वजनिक जीवन, व्यापार एवं उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं। रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और सफल नेतृत्व के लिए यह सम्मान मिला है।

उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी हाल ही में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह ने एक बार फिर उन व्यक्तित्वों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ाया है।

प्रमुख पुरस्कार विजेताओं की सूची

- **पद्म विभूषण** : साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में जर्नलिस्ट पी. नारायणन और सामाजिक कार्य के लिए पूर्व न्यायाधीश के.टी. थॉमस को प्रदान किया गया है।
- **पद्म भूषण** : पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी और गायिका अलका याज्ञनिक को सम्मानित किया गया।
- **पद्म श्री** : अभिनेता आर. माधवन और क्रिकेटर रोहित शर्मा को देश के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया।

वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी को पद्म श्री

लखनऊ के अनुभवी कलाकार और वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी को कला और विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया है।

गायिका जोड़ी रंजनी और गायत्री बालासुब्रमण्यन को पद्म

कर्नाटक संगीत की गायिका जोड़ी रंजनी और गायत्री बालासुब्रमण्यन को कला और भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया है।

प्रोफेसर के. रामासामी को पद्म श्री

प्रोफेसर के. रामासामी को कृषि बायोमास संरक्षण में उनके अहम योगदान और भारत में एनारोबिक माइक्रोबायोलॉजी की शुरुआत करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया है।

भगवानदास रायकवार को मरणोपरांत पद्म श्री

पारंपरिक बुंदेली मार्शल आर्ट्स और लोक कलाओं को संरक्षित और बढ़ावा देने में योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगवानदास रायकवार (मरणोपरांत) को पद्म श्री से सम्मानित किया है।

कबींद्र पुरकायस्थ को मरणोपरांत पद्म श्री

कबींद्र पुरकायस्थ (मरणोपरांत) को सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।

अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत पद्म श्री

जाने-माने अभिनेता और कॉमेडियन सतीश शाह (मरणोपरांत) को भारतीय सिनेमा और मनोरंजन में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया है।

हिमाचल में आज रात थमेंगे HRTC बसों के पहिए

सरकार ने श्वस्रूलगाया, हड़ताल पर 6 महीने तक रोक, DA-नाइट ओवरटाइम मांग रहे कर्मचारी

» प्रथम न्यूज । शिमला

23 जून (बी शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में बुधवार रात 12 बजे से सरकारी बसों के पहिए थम जाएंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) कर्मचारियों के इस ऐलान के बाद राज्य सरकार ने इसेंशियल सर्विस मेंटीनेंट एक्ट (ESMA) लागू कर इनकी हड़ताल पर रोक लगा दी है। मगर कर्मचारी आर-पार की लड़ाई को तैयार है।

वहीं ACS परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद HRTC कर्मचारी अगले छह महीने तक हड़ताल पर नहीं जा सकेंगे। सरकार ने HRTC कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को रोकने के लिए ESMA की पाबंदी लगाई है। सरकार ने आदेशों में स्पष्ट किया कि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं यात्रियों की आवाजाही, जरूरी वस्तुओं की सप्लाई और जनहित के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

किसी भी तरह की हड़ताल से आम जनता को परेशानी हो सकती है और आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

DC-SP को भी सहयोग के निर्देश

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी कर्मचारी हड़ताल शुरू नहीं कर सकता, उसमें शामिल नहीं हो सकता या उसे बढ़ावा नहीं दे सकता। नियमों का उल्लंघन करने पर ESMA के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने HRTC के प्रबंध निदेशक को आदेश दिए कि अधिसूचना को सख्ती से लागू करवाएं और किसी भी उल्लंघन की जानकारी तुरंत सरकार को दें। DC और SP को भी आवश्यक सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं।

656 टैम्परैरी ड्राइवरों भर्ती करेगा HRTC

HRTC ड्राइवरों की हड़ताल के ऐलान के साथ ही सरकार ने 656 टैम्परेरी ड्राइवरों की भर्ती का निर्णय लिया है। इसके लिए कल यानी 24 जून को दोपहर 12 बजे से राज्य के सभी क्षेत्रीय प्रबंधक (RM) कार्यालयों में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे, जिसके माध्यम से 31 डिपो में लगभग 656 अस्थाई ड्राइवरों की तुरंत नियुक्ति की जाएगी।

इस भर्ती के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के पास मैट्रिक पास सर्टिफिकेट, वैध HTV/HMV लाइसेंस और भारी वाहन चलाने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

मेडिकल बिलों के भुगतान को 20 करोड़ जारी

हालांकि, HRTC कर्मचारियों की चेतावनी के बाद सरकार ने मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए 20 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। इस राशि से मार्च 2026 तक लंबित मेडिकल बिलों का भुगतान किया जाएगा। इससे करीब 11 हजार कार्यरत कर्मचारियों और लगभग 8 हजार पेंशनरों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रदेशवासियों को परेशानियां झेलनी पड़ेगा

इनकी हड़ताल के कारण हिमाचल में आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि राज्य के 80 फीसदी से ज्यादा भागों में बसे परिवहन का सबसे बड़ा माध्यम है। रेल और हवाई नेटवर्क न के बराबर है। ऐसे में ।ऋक्षष्ट कर्मियों की हड़ताल का जनता पर व्यापक असर पड़ना तय है।

2800 बसों के थमेंगे पहिए

राज्य में HRTC की लगभग 2800 बसें सेवाएं दे रही है। इनमें ज्यादातर बसें ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देती है। इनके हड़ताल पर जाने की वजह से स्कूली बच्चों को स्कूल, नौकरीपेशा व कामकाजी लोगों को दफ्तर व अपने वर्कप्लेस पर पहुंचने में परेशानी झेलनी पड़ेगी।

इसी तरह, राज्य से बाहर भी सरकारी बसें जाती है। बाहरी राज्यों की सेवाओं पर भी इसका असर पड़ना तय है।

पेंशनर भी समर्थन में उतरे

एचआरटीसी पेंशनरों और अन्य कर्मचारी संगठनों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। हिमाचल परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी परिषद ने सरकार से कर्मचारियों के लंबित वित्तीय लाभ जल्द जारी करने की मांग की है। परिषद के पदाधिकारियों का कहना है कि कर्मचारियों की मेहनत की कमाई का भुगतान लंबित रखना उचित नहीं है।

ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी के साथ बेनतीजा रही वार्ता

HRTC कर्मचारियों ने सरकार को 24 जून की रात से हड़ताल की चेतावनी दे रखी थी। इसे देखते हुए आज सुबह इन कर्मचारियों की अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS) परिवहन आरडी नजीम के साथ सचिवालय में मीटिंग हुई। मगर यह मीटिंग बेनतीजा रही।

यमुना जल विवाद पर हरियाणा-राजस्थान में ऐतिहासिक सहमति

राजस्थान के हिस्से को मिलेगा पानी : सीएम

सीएम नायब सैनी बोले, मिलेगा पूरा हक, सोमवार को होगा महा-समझौता

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 जून (एएम नाथ)

यमुना नदी के पानी को हरियाणा के रास्ते राजस्थान को दिए जाने वाले पानी को पहुंचाने में हरियाणा सरकार पूरा सहयोग करेगी। यह दावा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड (यूवाइआरबी) तहत हुए समझौते का वह सम्मान करते हैं।

मौजूदा परिस्थितियों को समझौते की समीक्षा कर नए तरीके से एमओयू करने की जरूरत है। इस पर सोमवार को अगली बैठक में दोनों राज्यों की ओर से हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर.पाटिल की अध्यक्षता में उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मंगलवार को हुई बैठक के बाद हुई बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा दोनों प्रदेश के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा समझौते के तहत राजस्थान को मिलने वाले जल के अधिकार का सम्मान करता है और राजस्थान को निर्धारित हिस्से का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग से जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है, जिससे सभी प्रदेशों को लाभ मिलेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान केवल समझौते के तहत निर्धारित जल की ही मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षा के दिनों में नदियों में बहने वाले अतिरिक्त जल का प्रभावी उपयोग कर यदि उसे राजस्थान तक पहुंचाया जाए तो राज्य के एक बड़े क्षेत्र में पेयजल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ४रेणुका, किशाऊ और लखवार बांध परियोजनाएं उत्तर भारत के राज्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके क्रियान्वयन में जल्द तेजी लाई जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति, सिंचाई क्षमता में वृद्धि तथा पेयजल उपलब्धता को मजबूत आधार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को लेकर संबंधित राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाते हुए आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पंजाब से होकर आने वाली घग्गर नदी में गिरने वाले दूषित जल के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने कहा कि घग्गर नहर में गिरने वाले पानी के उपचार के लिए अलग से ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे, ताकि बिना शोधन के पानी नदी में नहीं आए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री की पहल पर बना समन्वय

इस महत्वपूर्ण लंबित मामले को सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहल की थी। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को जिम्मेदारी दी थी दोनों राज्य के मुख्यमंत्री से बातचीत कर सुलझाएं। जिसके बाद विगत छह माह में यह चौथी बैठक थी और इस बैठक में निर्णय ले लिया गया। अब सोमवार को दोनों ही राज्य के अधिकारियों की बैठक होगी जिसमें समझौता पत्र पर हस्ताक्षर होंगे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

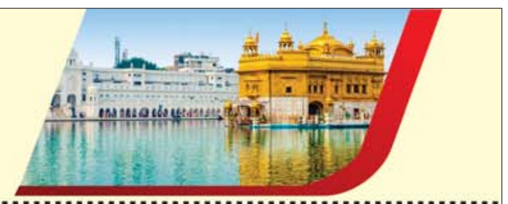

संक्षिप्त न्यूज

जीरा विकास परिषद के सदस्य बजाज के जन्मदिन पर उन्हें ठंडे मीठे पानी का एक कटोरा परोसा गया।

जीरा, 23 जून (अंग्रेजी बराड़) – जीरा विकास परिषद के वरिष्ठ सदस्य और प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता श्री अनिल बजाज के जन्मदिन पर उनके पुत्र राहुल बजाज ने ठंडे मीठे पानी का फव्वारा लगाकर राहगीरों पर जल छिड़का। इस अवसर पर जीरा विकास परिषद के संरक्षक, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुखदेव बिट्टू विज, जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष, अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू और महासचिव जगदेव शर्मा के नेतृत्व में अनिल बजाज को जन्मदिन की बधाई दी गई, केक काटा गया और उनके साथ तस्वीर खिंचवाई गई। इस अवसर पर संगठन के नेताओं ने कहा कि श्री अनिल बजाज सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन तरसेम लाल जनेजा, गुरबख्श सिंह विज, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कैशियर, नरेश कुमार जैन बल्ली उपाध्यक्ष, राहुल बजाज, सुरिंदर शर्मा जेई, वीरेंद्र जैन, युधिष्ठर अग्रवाल, नरिंदर कुमार नारंग, मनमोहन सिंह गुजराल, विनोद ग्रोवर सचिव, बंटी गुलाटी, नरिंदर सिंह लेक्चरर शिक्षा प्रोजेक्ट प्रभारी, गगन नरूला, जसवंत सिंह नामदेव, गुरदेव सिंह सिद्धू, गुरनूर, गुर सिमरन आदि मौजूद थे।

भगत कबीर जी की शोभायात्रा में शामिल होने के लिए गुरु नाभा दास मंदिर कमेटी सदस्यों को दिया आमंत्रण पत्र

अमृतसर (साहिब दयाल) संत शिरोमणि भगत कबीर मंदिर छोटा हरिपुरा में मनाए जा रहे 668वें जन्म दिवस को समर्पित आगामी 28 जून को भगत कबीर जी की शोभायात्रा के लिए प्रधान तिलक राज मडगाला की अगवाई में समूह पदाधिकारियों ने शोभायात्रा के आमंत्रण पत्र दिए। प्रधान तिलक राज मडगाला ने बताया कि शोभायात्रा छोटा हरिपुरा में स्थित भगत कबीर मंदिर से रविवार दोपहर 3 बजे शुरू होकर शहर के विभिन्न स्थानों से होते हुए मंदिर में समाप्त होगी। इसमें शामिल होने के लिए समस्त प्रिय भाई बंधुओं को आमंत्रित किया जा रहा है। इस अवसर पर गुरु नाभा दास मंदिर कमेटी के कार्यकारी प्रधान सुरिंदर कुमार शहरिया और समूह मेंबरों को शोभायात्रा में शामिल होने का आमंत्रण पत्र दिया गया। इस मौके पर सुरिन्दर कुमार सहरिया, अवतार सिंह, ओम प्रकाश, राज पाल, बलवीर चंद, दीपक कुमार, राज इंद्र और बंटी आदि हाजिर थे!

ईसाई समुदाय के नेता फादर पीटर ने नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

शहर में शांति, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

जालंधर (जगजीत डोगरा)। ईसाई समुदाय के नेता फादर पीटर ने जालंधर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान फादर पीटर ने पुलिस कमिश्नर को पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मुलाकात के दौरान शहर में कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द, धार्मिक सद्भाव और जनसहयोग को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। फादर पीटर ने कहा कि ईसाई समुदाय हमेशा शांति, भाईचारे और समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है तथा भविष्य में भी पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर शहर के विकास और सामाजिक एकता के लिए कार्य करता रहेगा।

पुलिस कमिश्नर ने समुदाय के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शहर में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

इस अवसर पर समुदाय के अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और समाज तथा प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

ग्रामीण पंजाब के विकास में सरपंच निभाएं नेतृत्वकारी भूमिका: भगवंत मान

गांवों के कायाकल्प के लिए फंड की नहीं होगी कमी, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को दें प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । रामपुरा फूल/तलवंडी साबो
23 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सरपंचों से ग्रामीण पंजाब के बदलाव का नेतृत्व करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य को देश का सबसे विकसित प्रदेश बनाने के लिए गांवों का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। रामपुरा फूल और तलवंडी साबो में आयोजित 'सरपंच मिलनी' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सरपंचों और पंचों से संवाद करते हुए कहा कि पंजाब सरकार गांवों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने पंचायतों से अपील की कि सरकारी अनुदानों का उपयोग पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ किया जाए ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों, स्कूलों, सोलर लाइटों और अन्य बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देकर गांवों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों के लिए नहरी पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

भगवंत मान ने कहा कि सरपंच लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और एक सक्षम सरपंच अपने गांव की तस्वीर बदल सकता है। उन्होंने पंचायतों को सरकार की आंख और कान बताते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं और जरूरतों को सबसे बेहतर ढंग से समझते हैं। मुख्यमंत्री ने सरपंचों से गांवों में गुटबाजी समाप्त कर निष्पक्ष और समावेशी नेतृत्व देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति से पंचायत चुनाव कराने वाले गांवों ने भाईचारे और विकास का उदाहरण प्रस्तुत किया है। बैठक में बड़ी संख्या में महिला सरपंचों की मौजूदगी पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं से राजनीति और निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रतिनिधित्व और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज और राज्य की प्रगति का आधार बनेगा।

विदेशों से लौटें युवा, पंजाब में मिलेंगी सरकारी नौकरियां : भगवंत मान

पंजाब में 68,268 सरकारी नौकरियों का दावा, युवाओं को घर वापसी का न्योता, पारदर्शी भर्ती से बढ़ा भरोसा, विदेश गए युवा लौट रहे हैं : मुख्यमंत्री मान

» प्रथम न्यूज । बठिंडा
23 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विदेशों में काम कर रहे पंजाबी युवाओं से राज्य लौटने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराएगी। बठिंडा में पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) में चयनित 665 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्य सरकार ने 68,268 सरकारी नौकरियां देकर नया रिकॉर्ड बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पारदर्शी और योग्यता-आधारित भर्ती नीति के कारण युवाओं का व्यवस्था पर भरोसा बढ़ा है और विदेशों में गए कई युवा अब

पंजाब लौट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब सरकारी नौकरियों में रिश्वत और सिफारिश का दौर समाप्त हो चुका है तथा सभी नियुक्तियां केवल मेरिट के आधार पर हो रही हैं।

मान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय पक्षपातपूर्ण व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में युवा विदेशों में बस गए थे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपने विदेश में रह रहे दोस्तों और रिश्तेदारों को भी पंजाब वापस बुलाने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार उन्हें रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि परिवीक्षा अवधि पूरी होने के बाद महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे में तैनाती दी जाएगी, ताकि वे पारिवारिक और कार्य जीवन में संतुलन बना सकें।

अमृतसर में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़

चली ताबड़तोड़ गोलियां, 2 गिरफ्तार

अमृतसर (साहिब दयाल)– पंजाब में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ होने की खबर सामने आ रही है। इस दौरान पुलिस द्वारा दो गैंगस्टरों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब के जिला अमृतसर में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने मुठभेड़ और क्रॉस फायरिंग के बाद दो गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से दो पिस्तौल और एक कार बरामद की गई है।

बता दें कि ये मुठभेड़ अमृतसर के खलचियां इलाके में हुई है। दरअसल पुलिस को संदिग्ध अपराधियों की गतिविधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोकने की कोशिश की।

पुलिस को देखते ही वाहन में सवार बदमाशों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला, जिसके बाद दोनों ओर से क्रॉस फायरिंग हुई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने दो गैंगस्टरों को काबू कर लिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनसे महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

चेयरमैन जोबन रंधावा और रमन बहल द्वारा नवनिर्वाचित पार्षदों का सम्मान

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
23 जून (संदीप सन्नी)

जिला योजना कमेटी गुरदासपुर के चेयरमैन व जिला प्रधान जोबन रंधावा तथा गुरदासपुर के हलका इंचार्ज रमन बहल द्वारा नगर परिषद चुनाव में जीतकर आए नवनिर्वाचित कौंसलरों से विशेष मुलाकात की गई और उन्हें सम्मानित किया गया।

विकास कार्यों से बदली जाएगी शहर की नुहार

इस अवसर पर बातचीत करते हुए चेयरमैन रंधावा ने कहा कि हलका इंचार्ज बहल के नेतृत्व में गुरदासपुर शहर के भीतर पिछले चार वर्षों के दौरान रिकॉर्ड विकास कार्य करवाए गए हैं और यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शहर की विकास पक्ष से कायाकल्प की जाएगी और लोगों से मिलकर उनकी हर जायज समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

पार्षद शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के लिए मेहनत करें- रमन बहल

हलका इंचार्ज रमन बहल ने नवनिर्वाचित पार्षदों को बधाई देते हुए प्रेरित किया कि वे अपने-अपने वार्ड के लोगों की बुनियादी समस्याओं को गंभीरता से सुनें। उन्होंने पार्षदों से शहर के चहुंमुखी विकास में अपना अधिकतम सहयोग देने और गुरदासपुर को साफ-सुथरा व सुंदर बनाने के लिए पूरी लगन से मेहनत करने का आह्वान किया।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे पार्षद

समारोह के दौरान नवनिर्वाचित पार्षदों ने चेयरमैन जोबन रंधावा और रमन बहल का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे रोजाना अपने वार्डों में लोगों के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि वार्ड वासियों ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और विकास कार्यों को बिना किसी भेदभाव के मुकम्मल करवाएंगे।

सम्मान समारोह के दौरान मुख्य रूप से वार्ड नंबर 22 से पार्षद आशा रानी, वार्ड नंबर 6 से हरजिंदर कौर, वार्ड नंबर 20 से ज्योति, वार्ड नंबर 27 से मनदीप, वार्ड नंबर 9 से योगेश, वार्ड नंबर 13 से साहिल और वार्ड नंबर 10 से सुधा विशेष तौर पर मौजूद रहीं।

चिड़िया जी, चिड़िया मर की तरह चल रहा शिक्षक तबादला पोर्टल : गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब

स्टेशन चयन के समय पहले से भरे हुए पदों वाले स्कूलों में भी खाली पद दिखने से शिक्षकों में बढ़ी बेचैनी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
23 जून (डोगरा)

गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब ने शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही शिक्षक तबादला प्रक्रिया-2026 के दौरान पोर्टल को बार-बार बिना उचित सूचना के खोलने और बंद करने के तरीके पर गंभीर चिंता व्यक्त की है इस अवसर पर बोलते हुए गवर्नमेंट टीचर यूनियन यूनियन पंजाब सहायक प्रेस सचिव गणेश भगत ,व जिला कपूरथला के प्रधान सुखचैन सिंह और जिला कपूरथला के सीनियर सदस्य जसवीर सिंह सैनी ने कहा कि इस कारण हजारों शिक्षक तबादला प्रक्रिया के लाभ से वंचित रह रहे हैं और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं ।उन्होंने कहा कि तबादला प्रक्रिया की शुरुआत में विभाग द्वारा विधिवत नोटिस जारी कर शिक्षकों को आवेदन करने का अवसर दिया गया था। उस समय दो वर्ष से कम अवधि तक किसी स्टेशन पर कार्यरत शिक्षक तबादले के लिए आवेदन नहीं कर सकते थे।

लेकिन बाद में अचानक पोर्टल में बदलाव कर यह शर्त हटा दी गई और सभी शिक्षकों को आवेदन की अनुमति दे दी गई। इस महत्वपूर्ण बदलाव की कोई प्रभावी या आधिकारिक सूचना शिक्षकों को नहीं दी गई ।यूनियन नेताओं ने कहा कि स्टेशन चयन प्रक्रिया के दौरान कई शिक्षकों को पता चला कि उनका

गणेश भगत सहायक प्रेस सचिव गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब

सुशांत सिंह बदंन जिला अध्यक्ष कपूरथला

दलजीत सिंह सैनी सीनियर सदस्य कपूरथला

डेटा डीडीओ द्वारा स्वीकृत ही नहीं किया गया था। विभाग की ओर से स्पष्ट निर्देश न होने के कारण कई डीडीओ ने अपनी सुविधा के अनुसार डेटा को स्वीकृत या अस्वीकृत कर दिया। शिक्षकों को इसकी जानकारी तब मिली जब स्टेशन चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी ।इसके साथ ही, स्टेशन चयन के समय पोर्टल पर पहले से भरे हुए पदों वाले स्कूलों में भी रिक्त पद दिखाए जाने से वहां पहले से कार्यरत शिक्षकों में चिंता और असमंजस बढ़ गया है। इसे विभाग की एक बड़ी लापरवाही माना जा सकता है ।उन्होंने कहा कि शिक्षकों के विरोध के बाद विभाग ने एक दिन के लिए पोर्टल खोलकर डेटा सत्यापन का अवसर दिया, लेकिन यह समय भी बहुत कम था। जब तक पंजाब के हजारों शिक्षकों तक इसकी सूचना पहुंचती, तब तक पोर्टल फिर से बंद हो चुका था। पिछले एक महीने के दौरान कई बार पोर्टल सुबह खोला गया और शाम तक बंद कर दिया गया, जिससे शिक्षकों में भ्रम और असंतोष पैदा हुआ है ।उन्होंने कहा कि विभाग जहां अन्य विभागीय पत्रों और निर्देशों को डीईओ, बीपीईओ और स्कूल प्रमुखों के माध्यम से समय पर शिक्षकों तक पहुंचाने में तत्परता दिखाता है, वहीं तबादला प्रक्रिया से संबंधित निर्देश और बदलाव भी उसी प्रकार शिक्षकों तक पहुंचने चाहिए। समय पर सूचना न मिलने के कारण आज भी कई शिक्षक अपना डेटा अपडेट करने से वंचित हैं ।गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब ने पंजाब के शिक्षा मंत्री से मांग की है कि वे इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करें और विभाग को निर्देश जारी करें कि पोर्टल पर किसी भी प्रकार का डेटा भरने, सत्यापन कराने या स्टेशन चयन के लिए शिक्षकों को पर्याप्त और उचित समय दिया जाए ।इसके साथ ही, पोर्टल खोलने या बंद करने से पहले विधिवत नोटिस जारी किया जाए ताकि प्रत्येक शिक्षक तक सूचना पहुंच सके और तबादला प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।

विजिलेंस ब्यूरो ने 70,000 रुपये और 50,000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में इंस्पेक्टर एवं जूनियर ऑडिटर को किया काबू

जालंधर/चंडीगढ़, 23 जून, (शैली अल्बर्ट) – पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, भोगपुर, जिला जालंधर में तैनात इंस्पेक्टर रजनीश रामपाल तथा जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, जालंधर कार्यालय में तैनात जूनियर ऑडिटर मानव भनोट को खरीफ सीजन 2025-26 के दौरान कस्टम मिलिंग के लिए आवंटित धान के भंडारण को पूरा करने संबंधी कार्य में रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ये गिरफ्तारियां मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर चीमा मंडी, तहसील सुनाम, जिला संगरूर के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई हैं।

उन्होंने बताया कि शिकायत की जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी रजनीश रामपाल ने शिकायतकर्ता के शैलर में धान के भंडारण कार्य को पूरा करने के लिए पहली किस्त के रूप में 50,000 रुपये रिश्वत ली थी और बाद में गुरविंदर सिंह, एएफएसओ, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, भोगपुर के नाम पर दूसरी किस्त के रूप में 20,000 रुपये और लिए थे।

उन्होंने आगे कहा कि आरोपी मानव भनोट, जूनियर ऑडिटर ने शिकायतकर्ता से अपने लिए तथा नरेंद्र सिंह, जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, जालंधर के नाम पर शिकायतकर्ता के शैलर में धान के भंडारण कार्य को पूरा करने के लिए 50,000 रुपये रिश्वत के रूप में लिए थे। इस संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा तैयार की गई वीडियो रिकॉर्डिंग ने दोनों आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि की है।

इस मामले में उक्त आरोपियों के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो थाना, जालंधर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान अन्य संदिग्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त न्यूज

करसोग विधानसभा के चिंडी में नेता प्रतिपक्ष ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

मण्डी/करसोग (एएम नाथ)- करसोग विधानसभा क्षेत्र के चिण्डी में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं अखंड भारत के संकल्प के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। एक महान शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक, प्रखर चिंतक और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाले युगद्रष्टा के रूप में उन्होंने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जयराम ठाकुर ने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे के उनके संकल्प ने राष्ट्रीय एकता को नई दिशा दी और राष्ट्र की अखंडता के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का त्याग, राष्ट्रभक्ति और सेवा का आदर्श हम सभी को राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा के बाद उन्होंने करसोग विधानसभा क्षेत्र विभिन्न क्षेत्रों से आए ब्लॉक समिति के नव निर्वाचित सदस्यों से भेंट करने संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ करसोग के विधायक दीपराज समेत अन्य स्थानीय नेता पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 24 से 26 जून चम्बा प्रवास पर रहेंगे

चम्बा (एएम नाथ)- विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 24 से 26 जून तक जिला चम्बा के प्रवास पर रहेंगे।

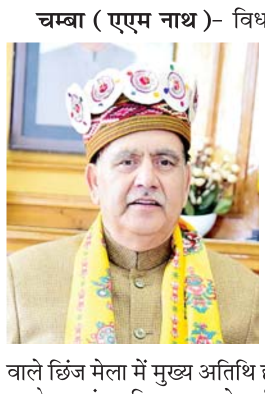

विधानसभा अध्यक्ष के जारी प्रवास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि कुलदीप सिंह पठानिया 24 जून को सायं 5:30 बजे उप मंडलीय मुख्यालय चुवाड़ी में आयोजित होने वाले छिंज मेला में मुख्य अतिथि होंगे। विधानसभा अध्यक्ष इसके उपरांत रात्रि 8:30 बजे बनीखेत में आयोजित जिला स्तरीय आषाढ़ नाग मेला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष 25 जून को प्रात: 11:30 बजे लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता उत्तरी क्षेत्र , अधीक्षण अभियंता डलहौजी वृत, अधिशासी अभियंता चुवाड़ी मंडल सहित लोक निर्माण विभाग के विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ डलहौजी में बैठक करेंगे। कुलदीप सिंह पठानिया अपने प्रवास कार्यक्रम की निरंतरता में 26 जून को प्रात: 11:30 बजे द न्यूज रडार अंग्रेजी समाचार चैनल द्वारा दरबार हॉल में आयोजित शाइनिंग स्टार अवाड्र्स कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे तथा जिला चम्बा के दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की मेरिट सूची में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे।

गेहड़वीं विद्यालय में विद्यार्थियों से रूबरू हुए परमवीर चक्र विजेता संजय कुमार

बिलासपुर,(जितेंद्र गौतम)- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गेहड़वीं में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर संजय कुमार के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय पहुंचने पर एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को परमवीर चक्र विजेता से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने भारतीय सेना में सेवा, राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता, चुनौतियों का सामना करने तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। संजय कुमार ने अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने, सकारात्मक सोच अपनाने तथा अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया। संजय कुमार ने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और टीम भावना व्यक्ति को सफलता की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। एनसीसी एएनओ अतुल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य चमन पुरी, सीएचटी लता कुमारी, अश्विनी गौतम, अंजन कुमारी, सुमित कुमार, विजय कुमार तथा अधीक्षक कमल वर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हारने के बाद भी जनादेश हथियाने की कोशिश में है कांग्रेस : जयराम ठाकुर

कहा, नौकरियों का लालच देकर ब्लॉक समिति के सदस्यों पर दबाव बनाया जा रहा है, ढाई हजार से ज्यादा संस्थान अकारण बंद किए, सुक्खू सरकार ने पहले शिक्षक हटाए, बाद में स्कूल बंद किए

» प्रथम न्यूज । मंडी

23 जून (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने तत्तापानी में मीडिया प्रतिनिधियों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सरकार पलटूराम सरकार है, जो दो कदम आगे बढ़ती है तो दस कदम पीछे खींचती है। इस प्रकार के फैसलों से सिर्फ और सिर्फ प्रदेश का नुकसान हो रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के माध्यम से जनादेश को हथियाने के प्रयासों की आलोचना करते हुए कहा कि पहले मुख्यमंत्री चुनाव नहीं करवाना चाहते थे, लेकिन माननीय न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें चुनाव करवाने पड़े। इस दौरान उन्होंने जितने भी अड़ंगे डाल सकते थे, डाले, लेकिन न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के सामने उनकी एक भी कुटिल चाल कामयाब नहीं हुई और अंततः चुनाव करवाने पड़े, जिनमें उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि जनता द्वारा नकार दिए जाने के बाद भी मुख्यमंत्री लोकतंत्र का सम्मान नहीं कर रहे हैं। सरकार अब भी अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने की कुटिल चाल चल रही है। स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम आए एक महीने का समय हो चुका है और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव परिणाम घोषित हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन सरकार अभी तक ब्लॉक समिति, जिला परिषद और अन्य स्थानीय निकायों में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथि घोषित नहीं कर रही है।

ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि भारतीय जनता पार्टी समर्थित विजयी प्रतिनिधियों पर दबाव बनाया जा सके, उन्हें प्रताड़ित किया जा सके और डराया-धमकाया जा सके। उनके खिलाफ विजिलेंस जांच, तबादले या अन्य प्रशासनिक कार्रवाइयों का सहारा लेकर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जोगिंदरनगर ब्लॉक समिति के चुनाव के समय सरकार ने जल शक्ति विभाग में बड़ी संख्या में पद सृजित कर दिए और रातों-रात उन्हें भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी। जनपद स्तर पर चुनकर आए प्रतिनिधियों के समर्थकों को उन पदों पर समायोजित किया गया और उन्हें कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने के लिए विवश किया गया। इस प्रकार के हथकंडे अपनाकर सरकार कुछ स्थानों पर परिणाम भले बदल ले, लेकिन विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता कांग्रेस को इसका जवाब देगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू विजनलेस हैं। सरकार का काम संस्थान खोलना और सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है, न कि उन्हें बंद करना। सत्ता संभालते ही उन्होंने संस्थान बंद करने का अभियान शुरू कर दिया और ढाई हजार से अधिक संस्थान बंद कर दिए। क्या ये संस्थान बिना आवश्यकता और वित्तीय प्रबंधन के खोले गए थे? ये सभी संस्थान जनता की मांग और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तथा कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए खोले गए थे। मुख्यमंत्री कहते हैं कि स्कूलों में छात्रों की संख्या नहीं है, लेकिन वह यह नहीं बताते कि उनकी सरकार पहले स्कूलों से शिक्षकों का तबादला करती है, जिससे छात्र संख्या घट जाती है और फिर स्कूलों को बंद कर दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि काम करने के बजाय साजिश करने में मुख्यमंत्री माहिर हैं। यह बात केवल हम नहीं कह रहे, बल्कि हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह भी अक्सर कहा करते थे। मुख्यमंत्री के कार्य स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की बातों की पुष्टि करते हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार दूध खरीद को लेकर देशभर में अपनी पीठ थपथपाती रहती है और इसे अपनी फ्लैगशिप योजना बताती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि आए दिन दूध खरीद केंद्रों पर किसान अपना दूध फेंकने को मजबूर हो रहे हैं। पूरे देश में दूध की भारी मांग है, लेकिन सरकार के पास उसे प्रोसेस करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है। इसके लिए क्या किसान जिम्मेदार हैं? उन्होंने कहा कि चारों ओर ऐसी स्थिति इसलिए बन रही है क्योंकि यह सरकार पूरी तरह से भ्रमित, दिशाहीन और विजनलेस है।

सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की जीत जनता के विश्वास की जीत : डॉ. राजीव बिंदल

कहा, कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता ने किया खारिज, बोले, हिमाचल में परिवर्तन का बिगुल बज चुका है

» प्रथम न्यूज । नाहन

23 जून (एएम नाथ)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित श्रीमती शिवानी के जिला परिषद अध्यक्ष तथा श्री बलदेव भंडारी के उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल दो व्यक्तियों की जीत नहीं है, बल्कि सिरमौर की जनता के विश्वास, विकास और सुशासन के प्रति आस्था की जीत है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि जिला परिषद चुनावों में जनता ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों पर जो विश्वास व्यक्त किया है, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादाखिलाफी और कुशासन से पूरी तरह निराश हो चुकी है। सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचित होना आने वाले राजनीतिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हुए पंचायत, नगर निगम, नगर परिषद और स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को लगातार जनता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। यह दर्शाता है कि आम जनता विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही की राजनीति के साथ खड़ी है। कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश आर्थिक संकट, बढ़ते कर्ज, बेरोजगारी, विकास कार्यों की धीमी गति और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहा है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों के दौरान जो गारंटियां दी थीं, उनमें से अधिकांश आज भी अधूरी हैं। महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों, किसानों और आम जनता से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। परिणामस्वरूप प्रदेश की जनता का कांग्रेस सरकार से विश्वास उठ चुका है और लोग भाजपा को एक मजबूत विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जबकि प्रदेश सरकार उन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने में भी असफल रही है। यही कारण है कि जनता का विश्वास भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार बढ़ रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि नव निर्वाचित जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिवानी और उपाध्यक्ष बलदेव भंडारी सिरमौर जिले के समग्र विकास, ग्रामीण क्षेत्रों के सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सदैव विकास, सेवा और जनहित की राजनीति में विश्वास रखती है और इसी संकल्प के साथ प्रदेश में जनता के बीच कार्य कर रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की यह प्रचंड जीत स्पष्ट संदेश दे रही है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की विदाई का समय निकट है और आने वाले समय में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

राज्यपाल ने वीरभद्र सिंह की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

» प्रथम न्यूज । शिमला

23 जून (बी.शर्मा)

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की 93वीं जयंती के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह का आधुनिक हिमाचल प्रदेश के निर्माण एवं विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच, दृढ़ नेतृत्व एवं जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप आज हिमाचल प्रदेश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की राजनीति में वीरभद्र सिंह एक अत्यंत सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे एवं सफल कार्यकाल ने राज्य के विकास को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसके कारण उन्हें व्यापक सम्मान प्राप्त हुआ। कवीन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय वीरभद्र सिंह का सार्वजनिक जीवन, नेतृत्व क्षमता तथा जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों एवं मार्गदर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता, लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह, शिमला नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पाइन ट्री कंपनी में 27 जून को आयोजित होगा 13वां रक्तदान शिविर

» प्रथम न्यूज । बद्दी

23 जून (गुरजीत सिंह)

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के काठा स्थित लक्कड़ डिपो के निकट पाइन ट्री कंपनी में 27 जून को 13वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है कंपनी के महाप्रबंधक राजेश शर्मा ने बताया कि शिविर में रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्स सेंटर सेक्टर 37 चंडीगढ़ की टीम रक्त एकत्रित करेगी। राजेश शर्मा ने कहा कि कंपनी समय समय पर अपना सामाजिक दायित्व निभाते हुए ऐसे कार्यों को अंजाम देती रहती है। इस बार 13वां रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। जिसमें कर्मचारियों को सहभागिता रहेगी। हर रक्तदाता को सम्मानित किया जायेगा। राजेश शर्मा ने पात्र व्यक्तियों से आह्वान किया कि इस पुनीत कार्य में बढ़ चढ़ कर भाग ले। यह शिविर 10 बजे शुरू होगा जो दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

HRTC कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक, सरकार ने लागू किया ESMA

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) की सेवाओं पर ज़रूरी सेवा रखरखाव अधिनियम (ESMA) लागू कर दिया है।

इस निर्णय का उद्देश्य बस सेवाओं में किसी भी प्रकार की रुकावट को रोकना और यात्रियों को सुचारू परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। ESMA लागू होने के बाद HRTC कर्मचारियों को निर्धारित अवधि के दौरान हड़ताल या कार्य बहिष्कार करने की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अधिनियम का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

नियमों के तहत दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों को निलंबन, वेतन कटौती, सेवा में बाधा, सेवा अभिलेख में प्रतिकूल प्रविष्टि जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, श्वस्रू के प्रावधानों के तहत अन्य विभागीय और कानूनी कदम भी उठाए जा सकते हैं।

सरकार का कहना है कि यह कदम जनहित और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

हरिराम धीमान को मिली नालागढ़ साहित्य कला मंच की कमान

अदित कंसल उपाध्यक्ष और प्रमोद कुमार हर्ष सचिव निर्वाचित

» प्रथम न्यूज । नालागढ़

23 जून (गुरजीत सिंह)

नालागढ़ साहित्य कला मंच की बैठक अध्यक्ष यादव किशोर गौतम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें अगले तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें निम्न पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। इसमें हरिराम धीमान को अध्यक्ष , अदित कंसल को उपाध्यक्ष, प्रमोद कुमार हर्ष को सचिव, सुमति सिंघल को कोषाध्यक्ष तथा विजय लक्ष्मी को मीडिया प्रभारी चुना गया। इसके अतिरिक्त राम प्यारा गौड़ , प्रताप मोहन भारतीय , विनोद शर्मा, कृष्णा बंसल, रणजोध सिंह, जगदीश भारद्वाज तथा जसविंदर सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष यादव किशोर गौतम की मंच के प्रति सेवाओं को देखते हुए उन्हें मंच का आजीवन संरक्षक के रूप में सम्मान प्रदान किया गया।

निवर्तमान अध्यक्ष तथा मंच के संरक्षक यादव किशोर गौतम ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी तथा आशा जताई कि वे मंच को और समृद्ध करने में सफल होंगे तथा क्षेत्र में हिंदी और पहाड़ी साहित्य संवर्धन में और अधिक ऊर्जा से कार्य करेंगें।

उरनी ढांक में टूटा बैली ब्रिज, डंपर सहित नीचे गिरा वाहन

किन्नौर में बड़ा हादसा टला, पुल ध्वस्त होने के बावजूद चालक सुरक्षित, बैली ब्रिज टूटने से NH-05 प्रभावित, प्रशासन ने खोला वैकल्पिक मार्ग

» प्रथम न्यूज । किन्नौर

23 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में मंगलवार को एक बड़ा हादसा सामने आया, जब उप-तहसील टापरी के अंतर्गत उरनी ढांक स्थित बैली ब्रिज अचानक टूटकर धराशायी हो गया। हादसा उस समय हुआ जब पुल के ऊपर से एक भारी-भरकम डंपर गुजर रहा था। पुल के टूटते ही डंपर भी नीचे जा गिरा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल अचानक भरभराकर गिर गया और डंपर उसके साथ नीचे

खाई की ओर लुढ़क गया। राहत की बात यह रही कि वाहन चालक ने समय रहते सतर्कता दिखाते हुए खुद को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। चालक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही थाना टापरी की पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं तथा पुल टूटने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि भारी वाहन के गुजरने के दौरान पुल पर अत्यधिक दबाव पड़ने से यह हादसा हुआ, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगे।

हादसे के बाद प्रशासन ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल वैकल्पिक मार्ग शुरू कर दिए हैं। निर्माणाधीन टनल की ओर से पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग-22 (वर्तमान NH-05) को अस्थायी रूप से वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। प्रशासन ने बताया कि शिमला और रामपुर से रिकांगपिओ, कल्पा तथा सांगला जाने वाले यात्री टापरी से चगांव-उरनी लिंक रोड के माध्यम से चोलिंग पहुंचकर आगे ह॥-05 का उपयोग कर सकते हैं। वहीं किन्नौर से रामपुर और शिमला की ओर जाने वाले वाहन चोलिंग से उरनी-चगांव लिंक मार्ग होते हुए टापरी पहुंच सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करने की अपील की है।

संक्षिप्त न्यूज

राजस्व विभाग के लंबित कोर्ट केसों को संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द निपटाना करे सुनिश्चित : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र 23 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राजस्व विभाग के लंबित कोर्ट केसों को संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द निपटाना सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कोर्ट केसों को लेकर काफी गंभीर है। जो केस लंबे समय से लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुनकर खत्म किया जाए। जिला के बहुत से लोग सीधे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अपनी शिकायत को सुना रहे हैं। ये सभी शिकायतें अन्य पोर्टलों पर भी दिखती रहती है। ऐसे मामलों का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तहसील के अन्य कामों को गंभीरता के साथ किया जाए। किसी भी कार्य में लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इससे पहले अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विषयों पर मंडल के उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसीलों में पेपरलेस डिमार्केशन, ततिमा केस, रोवर के माध्यम से निशानदेही, पार्टेशन रिव्यू, मोटेशन, टोकन, जमाबंदी सहित अन्य मामलों को निपटाने के निर्देश दिए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिन अधिकारियों की जनगणना में ड्यूटी लगी हुई है। वो अपने-अपने कार्यों को गंभीरता के साथ पूरा किया जाए। जिला के सभी 1704 ब्लॉकों में जनगणना के कार्य को शुरू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जिला के कई गांवों में तेज बरसात और मारकंडा नदी के पानी के कारण जलभराव की स्थिति बन गई है। इस मौके पर एसडीएम थानेसर अमन कुमार, एसडीएम शाहाबाद शंभू राठी, जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

गांवों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, डिजिटलीकरण जैसी सुविधा के लिए केंद्र सरकार ने भेजे 20-20 लाख रुपए : विरेंद्र चौधरी

कुरुक्षेत्र 23 जून (बृज मोहन) जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा जिला कुरुक्षेत्र के 29 गांवों का चयन किया गया है, इन चयनित गांवों में पीने के पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण, ग्रामीण सडक़ों और आवास, बिजली एवं स्वच्छ ईंधन तथा डिजिटलीकरण जैसे विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेंद्र चौधरी शुक्रवार को स्थानीय पंचायत भवन के सभागार में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना तहत जिला परिषद द्वारा आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक गांव को 20 लाख रुपए का बजट अलॉट किया जाएगा, संबंधित विभाग इस योजना के तहत पूरे तालमेल से कार्य करवाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह स्कीम उन गांवों पर लागू होती है, जिनकी जनसंख्या का 40 प्रतिशत भाग अनुसूचित जाति का है। उन्होंने बताया कि गांव का चयन होने के पश्चात ब्लॉक स्तर पर बेसलाइन सर्वे किया जाता है। सर्वे उपरांत वीडीपी तैयार की जाती है और पंचायत की ग्राम सभा द्वारा दिए गए विकास कार्यों को शामिल किया जाता है तथा बाद में वीडीपी को पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

1994 के अपर यमुना रिवर बोर्ड समझौते के अनुसार राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराने पर बनी सहमति, सोमवार को एमओयू पर होंगे हस्ताक्षर:मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में हरियाणा व राजस्थान के मुख्यमंत्रियों की बैठक

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 जून (मुकेश डोलिया)

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के नई दिल्ली स्थित आवास पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में दोनों राज्यों से जुड़े जल संसाधन, सिंचाई एवं पेयजल से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड (यूवाईआरबी) समझौते के तहत राजस्थान के हिस्से के पानी की आपूर्ति के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संबंध में निर्णय लिया गया कि समझौते के अनुरूप राजस्थान को उसका निर्धारित जल पाइपलाइन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस विषय पर सोमवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा समझौते के तहत राजस्थान को मिलने वाले जल के अधिकार का सम्मान करता है और राजस्थान को निर्धारित हिस्से का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग से जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है, जिससे सभी प्रदेशों को लाभ मिलेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान केवल समझौते के तहत निर्धारित जल की ही मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में नदियों में बहने वाले अतिरिक्त जल का प्रभावी उपयोग कर यदि उसे राजस्थान तक पहुंचाया जाए तो राज्य के एक बड़े क्षेत्र में पेयजल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रेणुका, किशाऊ और लखवार बांध परियोजनाएं उत्तर भारत के राज्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके क्रियान्वयन में जल्द तेजी लाई जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति, सिंचाई क्षमता में वृद्धि तथा पेयजल उपलब्धता को मजबूत आधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को लेकर संबंधित राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाते हुए आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घग्गर नदी में गिरने वाले दूषित जल के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि घग्गर नहर में गिरने वाले पानी के उपचार के लिए अलग से ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे, ताकि बिना शोधन के गंदे पानी का प्रवाह नदी में न हो और जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जल प्रबंधन, नदी संरक्षण और अंतरराज्यीय सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक विषयों पर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि जल संसाधनों के समुचित उपयोग एवं संरक्षण के लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के लिए सभी गांवों में करवाई जाएगी मुनियादी : पंकज सेतिया

-ज्ञान भारतम पोर्टल पर पांडुलिपियों के अपलोड को लेकर जिला स्तर पर बैठक आयोजित

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

23 जून (बृज मोहन)

केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया ने कहा कि केंद्र सरकार की ज्ञान भारतम मिशन योजना के अंतर्गत देश की प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अभियान को रिवेन्यू विभाग के माध्यम से सभी गांवों को जोड़ा जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक गांव में मुनियादी करवाई जाएगी। जिस गांव में पांडुलिपी मिलेगी, वहां की जानकारी को ज्ञान भारतम पोर्टल पर अपलोड करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुनियादी के बाद जिस गांव में 75 वर्ष से पुरानी कोई भी पांडुलिपी मिलेगी, उसको ज्ञान भारतम मिशन योजना के तहत अपलोड करवाया जाएगा।

सीईओ पंकज सेतिया लघु सचिवालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी, तहसीलदार नवम धानिया भी मौजूद रहे। बैठक में जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पांडुलिपियों को डिजिटल रूप में संरक्षित कर राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई।

अब तक जिले में श्रीकृष्ण संग्रहालय में 140, पांडुलिपि संसाधन एवं संरक्षण केंद्र केयूके में 15678 चिंहित करने के उपरांत ज्ञान भारतम मिशन पर अपलोड किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहकर्ताओं के पास उपलब्ध संस्कृत, हिंदी, फारसी व अन्य भाषाओं की पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर सूचीबद्ध करने का निर्णय लिया गया। चिह्नित पांडुलिपियों को वैज्ञानिक विधि से डिजिटाइज कर ज्ञान भारतम पोर्टल पर अपलोड करने की रूपरेखा तैयार की गई। इससे शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और आमजन को प्राचीन ज्ञान तक आसान पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि पांडुलिपियों के भौतिक संरक्षण के साथ-साथ उनके विषय-वस्तु के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। इसमें स्थानीय विद्वानों, इतिहासकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं से अपील की गई कि वे अपने संग्रह की पांडुलिपियों को इस राष्ट्रीय मिशन में सहयोग हेतु उपलब्ध कराएं।

सीईओ पंकज सेतिया ने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन का उद्देश्य भारत की ज्ञान परंपरा को संरक्षित कर उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले जिले कुरुक्षेत्र में यह अभियान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहां महाभारत काल से जुड़ी अनेक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन ने सभी संबंधितों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

खेड़ी शीशगरां और भेरियां में लगा सांसद जिंदल का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीणों को मिला लाभ

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

23 जून (मुकेश डोलिया)

सांसद नवीन जिंदल के जनसेवा संकल्प को साकार करते हुए नवीन जिंदल फाउंडेशन की मेडिकल वैन गांव भेरियां और खेड़ी शीशगरां में पहुंची। जहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में टीम ने 45 लोगों की जांच की। इन मरीजों की ओपीडी कर उन्हें मौके पर ही निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं, जबकि 10 लोगों के लैब टेस्ट भी किए गए। सरपंच प्रतिनिधि डीसी विर्क और रमेश खेड़ी ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ब्यूटी पार्लर और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, वहीं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इंटरनेशनल स्किल सेंटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाते हुए सांसद नवीन जिंदल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र को वर्ष 2035 तक शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में क्षेत्र में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं लगातार आमजन तक पहुंच रही हैं, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

एसपी ने जिले के पेट्रोल पंप एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन के साथ की सुरक्षा संबंधी बैठक

उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा सुरक्षा मानकों का पालन करने के दिए निर्देश।

» प्रथम न्यूज । कैथल

23 जून (कृष्ण गर्ग)

जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पेट्रोल पंपों एवं आभूषण कारोबारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन की अध्यक्षता में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक आयोजित की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन ने वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों और अपराध की बदलती प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप एवं ज्वेलरी प्रतिष्ठान संवेदनशील श्रेणी में आते हैं, जहां नकदी एवं कीमती सामान की अधिकता के कारण अपराधियों की नजर रहती है। इसलिए सभी संचालकों को सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। एसपी ने निर्देश दिए कि सभी पेट्रोल पंपों एवं ज्वेलरी दुकानों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिनकी रिकॉर्डिंग स्पष्ट एवं लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सके। उन्होंने कहा कि कैमरों की स्टोरेज डिवाइस (डीवीआर/एनवीआर) को ऐसे सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया जाए, जहां किसी आपराधिक घटना के दौरान उसे आसानी से नुकसान न पहुंचाया जा सके। साथ ही कैमरों की नियमित जांच और रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर रिकॉर्डिंग उपलब्ध हो सके। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से उनकी समस्याओं और सुरक्षा संबंधी सुझावों को विस्तार से सुना तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और व्यापारिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय से अपराधों की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई संभव हो सकती है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने सभी प्रतिष्ठान संचालकों से अपने नजदीकी थाना एवं पुलिस चौकी के संपर्क नंबर अपने पास सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अज्ञात व्यक्ति की आवाजाही अथवा आपात स्थिति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

जीएमसीएच-32 चंडीगढ़ एमटीएस/वार्ड अटेंडेंट कांट्रैक्टर वर्कर यूनियन के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, दिनेश रावत बने प्रधान

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

23 जून (पुनीत महाजन)

जीएमसीएच सेक्टर-32, चंडीगढ़ में एमटीएस/वार्ड अटेंडेंट कांट्रैक्टर वर्कर यूनियन के प्रधान पद के लिए आयोजित चुनाव मंगलवार को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव को लेकर कर्मचारियों में भारी उत्साह देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में वर्करों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया।

प्रधान पद के लिए दिनेश रावत एवं उनकी टीम तथा सतनाम सिंह एवं उनकी टीम के बीच सीधा मुकाबला था। दोनों पक्षों के बीच कड़ा एवं रोचक मुकाबला देखने को मिला। कुल 476 वर्करों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें से दिनेश रावत की टीम को 254 वोट तथा सतनाम सिंह की टीम को 222 वोट प्राप्त हुए। इस प्रकार दिनेश रावत की टीम ने 32 मतों के अंतर से जीत दर्ज करते हुए प्रधान पद पर कब्जा किया।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सभी वर्करों ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए विजेता एवं प्रतिद्वंद्वी दोनों टीमों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर यूनियन सदस्यों ने एकजुट होकर सभी आउटसोर्सिंग वर्करों के हितों, अधिकारों एवं कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

चुनाव प्रक्रिया चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन की निगरानी एवं सहयोग से शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

पुलिस प्रशासन ने पूरे चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए सभी कर्मचारियों ने उनका आभार व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित प्रधान दिनेश रावत ने सभी कर्मचारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यूनियन का प्रमुख उद्देश्य एमटीएस एवं वार्ड अटेंडेंट कर्मचारियों की एकता को मजबूत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना तथा उनके हितों के लिए निरंतर संघर्ष करना रहेगा।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि यूनियन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेगी।

IDFC फर्स्ट बैंक घोटाला : हरियाणा के वरिष्ठ IAS अधिकारी पंकज अग्रवाल कोर्ट में पेश

590 करोड़ से अधिक के कथित वित्तीय घोटाले की जांच तेज, पंकज अग्रवाल गिरफ्तार

पंचकूला (पुनीत महाजन)- हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के खातों से करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़े बहुचर्चित IDFC फर्स्ट बैंक घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ IAS अधिकारी पंकज अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें पंचकूला स्थित विशेष CBI अदालत में पेश किया गया, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

पंकज अग्रवाल वर्तमान में हरियाणा सरकार में स्कूल शिक्षा और कृषि विभाग के प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे। उनकी गिरफ्तारी को इस बहुचर्चित मामले में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। CBI के अनुसार मामला हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों और सरकारी निकायों के खातों से सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग, फर्जी लेन-देन तथा अवैध ट्रांसफर से जुड़ा है। जांच एजेंसी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सरकारी धन को निजी खातों और कथित शेल कंपनियों के माध्यम से स्थानांतरित किए जाने की आशंका सामने आई है। मामले की जांच के दौरान कई बैंक अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आई है। CBI इससे पहले भी कई आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, IDFC FIRST Bank और AU Small Finance Bank से जुड़े इस कथित घोटाले की राशि विभिन्न जांच रिपोर्टों में लगभग 590 करोड़ रुपये से लेकर 645 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय और अन्य एजेंसियां भी पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हैं। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि सरकारी धन के कथित दुरुपयोग में पंकज अग्रवाल की क्या भूमिका रही और इस मामले में किन अन्य अधिकारियों तथा निजी लोगों की संलिप्तता है। उनकी गिरफ्तारी के बाद हरियाणा के प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और मामले में आगे भी कई अहम खुलासों तथा संभावित गिरफ्तारियों की संभावना जताई जा रही है।

आरडब्ल्यूए को गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति किया जागरूक, बीआईएस-ईएसआई ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

23 जून (पुनीत महाजन)

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), चंडीगढ़ शाखा कार्यालय ने द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया (ईएसआई), चंडीगढ़ के सहयोग से उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन शालू वर्श्नेय, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस चंडीगढ़ शाखा कार्यालय के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में चंडीगढ़ एवं ट्राइसिटी क्षेत्र की विभिन्न आरडब्ल्यूए, हाउसिंग सोसायटियों तथा इंटर्न विद्यार्थियों सहित 45 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर द (एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के सचिव एवं भारतीय एकता मंच के सचिव (पर्यावरण) एन.के. झिंगन) सहित विभिन्न आरडब्ल्यूए और हाउसिंग सोसायटियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बीआईएस के संयुक्त निदेशक अविक दत्ता ने कहा कि आरडब्ल्यूए समाज में गुणवत्ता, सुरक्षा, मानकों और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि बीआईएस उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भारतीय मानकों का निर्माण और समय-समय पर उनका अद्यतन सुनिश्चित करता है। बीआईएस के परामर्शदाता ऋतिक ने बीआईएस की विभिन्न उपभोक्ता हितैषी पहलों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने अनिवार्य प्रमाणन वाले उत्पादों, स्वर्ण आभूषणों की हॉलमार्किंग, बीआईएस केयर ऐप, उपभोक्ता-केंद्रित मानकों तथा नो योर स्टैंडर्ड सुविधा के बारे में जानकारी साझा की। संयुक्त निदेशक श्री क्षितिज बठला ने बीआईएस अधिनियम-2016 के अंतर्गत उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र और उपभोक्ता संरक्षण संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विद्युत उपकरणों से संबंधित भारतीय मानक आईएस-302 तथा विभिन्न क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ) के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराना है। स्टैंडर्ड्स प्रमोशन ऑफिसर (एसपीओ) विकसित कुमार ने बीआईएस द्वारा संचालित मानक प्रोत्साहन गतिविधियों तथा देश में गुणवत्ता संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने मानकों, प्रमाणन, हॉलमार्किंग, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों और उपभोक्ता अधिकारों से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। कार्यक्रम स्थल पर बीआईएस प्रमाणन चिह्न, उत्पाद प्रमाणन योजनाओं, अनिवार्य पंजीकरण योजना (सीआरएस), हॉलमार्किंग तथा बीआईएस केयर ऐप से संबंधित जानकारीपूर्ण बैनर और स्टैंडी भी प्रदर्शित किए गए। साथ ही प्रतिभागियों को उपभोक्ता जागरूकता एवं गुणवत्ता संबंधी साहित्य वितरित किया गया।

आज का
संपादकीय

ग्लोबल वार्मिंग का भारतीय मानसून पर प्रभाव, संभावित सुपर अल नीनो से सबक और चेतावनी

हर साल जब दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे भारत में आगे बढ़ता है, तो लाखों किसान उम्मीद से आसमान की ओर देखते हैं. पहली बारिश बुवाई के फैसलों, जलाशयों में पानी जमा करने, भूजल पुनर्भरण, पनबिजली बनाने और गांव की रोजी-रोटी पर असर डालती है. भारत में, मानसून सिर्फ एक मौसम का सिस्टम नहीं है; यह खेती, जल सुरक्षा और आर्थिक मजबूती की नींव है.

इस मानसून सिस्टम पर भारत की निर्भरता बहुत अधिक है. जून से सितंबर तक सक्रिय रहने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून, भारत की वार्षिक बारिश का लगभग 80त्न हिस्सा देता है और खरीफ फसल के मौसम के लिए सहारा होता है. अक्टूबर से दिसंबर तक चलने वाला उत्तर-पूर्वी मानसून भी तमिलनाडु, दक्षिणी आंध्र प्रदेश और रायलसीमा के कुछ हिस्सों के लिए बहुत जरूरी है. यह बारिश खेती को पोषण करती है, नदियों और तालाबों में पानी भरती है, भूजल को बढ़ाती है, जलविद्युत उत्पादन को बनाए रखती है, और खाने की चीजों की कीमतों और आर्थिक वृद्धि पर असर डालती है. इस तरह, भारत का मानसून सिर्फ एक बारिश का दौर नहीं है, बल्कि एक जटिल मौसमी जल चक्र है, जो एक अरब से ज्यादा लोगों के लिए सहायक होता है.

वैज्ञानिक रूप से, मानसून जमीन और समुद्र के बीच अलग-अलग गर्मी की वजह से हवाओं के मौसमी उलटफेर से चलता है. गर्मियों में, भारत की जमीन आस-पास के समुद्रों की तुलना में तेजी से गर्म होती है, जिससे एक बड़ा निम्न दबाव क्षेत्र बनता है जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाओं को खींचता है. ये हवाएं लो-लेवल जेट (वायुमंडल की निचली परतों में बहने वाली हवाओं की एक तेज धारा), मानसून ट्रफ (लंबा कम दबाव वाला क्षेत्र) और तिब्बती पठार के ऊष्मीय असर से बनती हैं, और ये सब मिलकर धरती पर सबसे शक्तिशाली बारिश के सिस्टम में से एक को बनाए रखती हैं.

हालांकि मानसून सिस्टम दुनिया के कई इलाकों में होता है, जिसमें अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी एशिया शामिल हैं, लेकिन भारतीय मानसून सबसे शक्तिशाली और असरदार है. दुनिया की लगभग आधी आबादी मानसून पर निर्भर इलाकों में रहती है, लेकिन बहुत कम देश मानसून की बारिश पर भारत जितना निर्भर हैं.

2026 के मानसून पर विशेष ध्यान देने की जरूरत क्यों है

इस साल, मानसून के बारे में चर्चा और भी जरूरी हो गई है क्योंकि जलवायु वैज्ञानिक 2026 के दौरान एक मजबूत अल नीनो इवेंट के बनने की संभावना पर करीब से नजर रख रहे हैं. मौसमी घटना अल नीनो दुनिया के कई इलाकों में औसत से ज्यादा और औसत से कम बारिश की संभावना बढ़ने से जुड़ी है. पहले, अल नीनो वाले साल अक्सर भारत में कमजोर मानसून बारिश से जुड़े रहे हैं. जाहिर है, कई किसान और नीति-निर्माता एक आसान सा सवाल पूछ रहे हैं- क्या मानसून गर्म होते जलवायु में भारत को सपोर्ट करता रहेगा?

2026 के मानसून को न सिर्फ एक मौसमी पूर्वानुमान के तौर पर देखा जाना चाहिए, बल्कि खेती, जल प्रबंधन और आपदा की तैयारी के लिए जलवायु-खतरे की चेतावनी के तौर पर भी देखा जाना चाहिए.

भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा लंबी अवधि के पूर्वानुमान से पता चलता है कि जून-सितंबर 2026 में भारत में बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है, जो दीर्घकालिक औसतका लगभग 90% है, जिसमें +/-4% की आदर्श त्रुटि है. क्योंकि अभी पूरे भारत में मौसमी मानसून LPA 87 सेंटीमीटर है, इसका मतलब है कि बारिश लगभग 78 सेंटीमीटर होगी, जो दीर्घकालिक सामान्य से लगभग 9 सेंटीमीटर कम है.

संभाव्यता संकेत भी उतना ही जरूरी है. ढ्ढस्ठ का अनुमान है कि पूरे देश में सामान्य से कम या कम बारिश होने की 84त्न संभावना है. मानसून कोर जोन (जहां मानसून के दौरान सबसे अधिक बारिश होती है), जिसमें बारिश पर निर्भर कई खेती वाले इलाके आते हैं, में भी सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है. उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत अधिक कमजोर दिख रहे हैं, जबकि उत्तर-पूर्व भारत और पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना अधिक है.

अल नीनो का खतरा : घबराएं नहीं, तैयारी करें

विकसित हो रहा अल नीनो इस चिंता को और बढ़ा रहा है. अल नीनो की पहचान मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होने से होती है और यह अक्सर भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के कमजोर होने से जुड़ा होता है. IMD ने संकेत दिया है कि मानसून के मौसम में ENSO (अल नीनो-दक्षिणी दोलन) की स्थिति अल नीनो की ओर बढ़ रही है, जबकि हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD), जिसे हिंद महासागर का अल नीनो भी कहा जाता है, के उदासीन रहने की संभावना है. एक उदासीन IOD मानसून की बारिश पर अल नीनो के दबाव वाले असर को कम करने की संभावना को कम कर सकता है.

कैसे बदल रहा 2026 का मानसून

मौजूदा मौसम में पहले से ही जगह के हिसाब से अनियमित बदलाव दिख रहा है. IMD ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 4 जून 2026 को दस्तक देने की घोषणा की, जो आम तारीख 1 जून से थोड़ा बाद का है. 1-10 जून के दौरान, पूरे भारत में मानसून की बारिश सामान्य से 26% कम थी, जबकि पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत (-39%) और मध्य भारत (-45%) में ज्यादा कमी रही. इसके उलट, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में बारिश सामान्य के करीब से लेकर सामान्य से थोड़ी ज्यादा (+3%) रही. यह पैटर्न दिखाता है कि शुरुआती मौसम की चिंता खराब मानसून नहीं है, बल्कि खेती के लिए अहम कई इलाकों में कम बारिश के साथ धीमी और असमान बढ़त है.

दक्षिण-पश्चिम मानसून आम तौर पर तेजी से आगे बढ़ता है और जुलाई के बीच तक पूरे देश को ढक लेता है. इसलिए, जून की शुरुआत में होने वाली कमी पर ध्यान से नजर रखनी चाहिए, लेकिन इसे आखिरी मौसमी नतीजा नहीं समझना चाहिए. अगर मानसून का परिसंचरण मजबूत होता है, तो जून के आखिर और जुलाई में रिकवरी मुमकिन है. हालांकि, उभरती अल नीनो स्थिति, बड़े पैमाने पर बदलते परिसंचरण और बीच-बीच में मौसम की गड़बड़ी से सीजन के दौरान अंतर-मौसमी बदलाव बढ़ सकते हैं. इसलिए 2026 में मुख्य खतरा न सिर्फ मौसमी बारिश का पूरा भाग है, बल्कि बारिश का समय, वितरण और तीव्रता भी है. लंबे समय तक सूखे के बाद छोटी, तेज बारिश हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़, शहरों में बाढ़ और फसल पर असर का खतरा बढ़ सकता है, भले ही मौसमी बारिश आखिरकार सामान्य स्तर पर पहुंच जाए. तेलंगाना, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए, बारिश का यह असमान वितरण खास तौर पर जरूरी है क्योंकि बुआई, जलाशयों में पानी का बहाव और भू-जल रिचार्ज, बारिश के समय पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं.

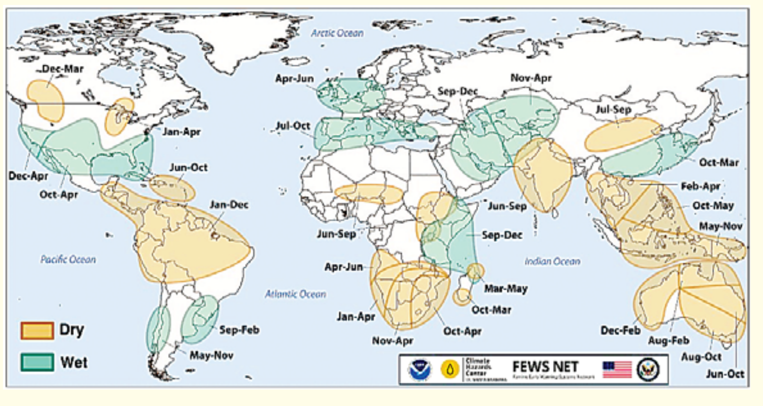

लाक्षागृह बना अलीगंज का कोचिंग सेंटर

22 जून 2026 की दोपहर लखनऊ का अलीगंज एक बार फिर चीखों से दहल गया। पुरनिया इलाके के उषा मेहता मार्ग पर स्थित एक तीन मंजिला इमारत में आग लगी और देखते ही देखते वह मौत का मंजर बन गई। जिस इमारत में बच्चे पढ़ने आए थे, वहीं उनकी सांसें धुएं में घुट गईं। 15 युवा छात्रों की जान चली गई। कई झुलस गए। एक हादसा, और पूरे शहर की नींद उड़ गई।

आग की शुरुआत बेसमेंट में लगे एसी के शॉर्ट सर्किट से हुई। धुआं इतना घना और जहरीला था कि लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। इमारत के बेसमेंट में पेट शॉप और क्लीनिक था। ग्राउंड और पहले फ्लोर पर दुकानें थीं। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी और हेड हॉपर्स स्टूडियो नाम का एनिमेशन सेंटर चल रहा था। दोपहर डेढ़ बजे जब आग भड़की तो दूसरे फ्लोर पर कोचिंग चल रही थी। बच्चे क्लास में थे। अचानक धुआं भर गया। चीख-पुकार मच गई। बाहर निकलने का एक ही संकरा रास्ता था। वह भी लपटों से घिर गया।

कुछ बच्चों ने बाथरूम में छुपकर जान बचाने की कोशिश की। कुछ ने छज्जे और छत से छलांग लगा दी। एक छात्र जयंत पहले फ्लोर से कूदा। लोहे की ग्रिल उसके पेट में घुस गई। रीढ़ की हड्डी टूट गई। कुछ बच्चों ने बिजली के तारों के सहारे खुद को नीचे उतारा। एक फायरकर्मी ने बताया कि धुआं इतना गाढ़ा था कि सामने खड़ा व्यक्ति भी नहीं दिख रहा था। फायर ब्रिगेड को दोपहर 2 बजकर 27 मिनट पर कॉल गई। 17 मिनट के भीतर 19 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म से पानी डाला गया। लेकिन बिल्डिंग में एंट्री और एग्जिट का रास्ता एक ही था। इसलिए अंदर फंसे बच्चों तक पहुंचना मुश्किल हो गया। फायरकर्मियों ने बगल की इमारत की दीवार तोड़ी। ऑक्सीजन मास्क लगाकर अंदर घुसे। तब जाकर कुछ लोगों को निकाला गया। कुछ को कंबल में लपेटकर बाहर लाया गया। कुछ बॉडी बैग में थे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक खुद मौके पर थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने 14 शव बाहर निकलते देखे। केजीएमयू लाए गए 22 लोगों में से 15 को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में ज्यादातर 20 से 30 साल के छात्र थे। उनके रिश्तेदार घटनास्थल पर रोते-बिलखते खड़े थे। किसी का भाई अंदर फंसा था, किसी की बहन। एक पिता बार-बार चिल्ला रहा था - पापा मुझे बचा लो। वह आवाज अब भी हवा में गूंज रही है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ का दौरा बीच में छोड़कर लखनऊ लौटे। उन्होंने तुरंत SIT का गठन कर दिया। अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और एडीजी प्रवीण कुमार की दो सदस्यीय टीम को सात दिन में रिपोर्ट देनी है। बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, पेट शॉप के मालिक रामकृष्ण उपाध्याय, एनिमेशन सेंटर के मालिक तुषांक जायसवाल और आईटी कंपनी के संचालक सुरेश साहू को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या की धारा में केस दर्ज किया है। आरोप है कि इमारत को रिहायशी इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली थी, लेकिन वहां अवैध रूप से कोचिंग और एनिमेशन सेंटर चल रहा था। न फायर एनओसी थी, न निकासी का दूसरा रास्ता।

यह हादसा नया नहीं है। लखनऊ ही नहीं, पूरे देश में यही कहानी दोहराई जाती है। अवैध रूप से चल रहे कोचिंग सेंटर, तंग गलियों में बनी इमारतें, एक ही निकासी का रास्ता, आग बुझाने के उपकरणों का न होना। हर बार हादसा होता है, जांच बैठती है, गिरफ्तारी होती है, निलंबन होता है। फिर सब ठंडा पड़ जाता है। अगले हादसे तक। सवाल यह है कि हम कब सीखेंगे। कोचिंग सेंटर चलाने के लिए बिल्डिंग बायलॉज का पालन जरूरी है। दो निकासी के रास्ते, फायर एक्सटिंग्विशर, स्प्रिंकलर, धुआं निकलने की व्यवस्था, नियमित फायर ऑडिट। लेकिन हकीकत यह है कि हजारों कोचिंग सेंटर बिना एनओसी के चल रहे हैं। अभिभावक भी सस्ती फीस और घर के पास सेंटर देखकर बच्चों को भेज देते हैं। सुरक्षा की जांच कोई नहीं करता।

अलीगंज की यह इमारत पॉश रिहायशी इलाके में थी। आसपास कोचिंग सेंटर और कैफे की भरमार है। नियमों को ताक पर रखकर हर मंजिल पर व्यवसाय चल रहा था। न पार्किंग थी, न खाली जगह। आग लगी तो दमकल की गाड़ियों को पहुंचने में भी दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों ने ही पहले रेस्क्यू शुरू किया। उन्होंने 5-6 बच्चों को बचाया। लेकिन धुआं इतना जहरीला था कि अंदर फंसे लोग दम घुटने से मर गए।

सबसे दुखद बात यह है कि मरने वाले ज्यादातर युवा थे। जो सपना लेकर आए थे - इंजीनियर बनना, डॉक्टर बनना, सरकारी नौकरी पाना। उनकी जगह अब माता-पिता को मुखाग्नि देनी पड़ी। एक मां ने कहा - बेटा कोचिंग पढ़कर घर आएगा, खाना खाकर सोएगा। लेकिन वह लाश बनकर आया। हादसे के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है। चार लोग गिरफ्तार हैं, चार अधिकारी निलंबित हैं। स्ढ्ढञ्ज जांच कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह कार्रवाई सिर्फ खानापूर्ति है। क्या सात दिन बाद रिपोर्ट आ जाएगी और फाइल बंद हो जाएगी। या सच में कोचिंग सेंटरों की जांच होगी। अवैध सेंटर बंद होंगे। दोषियों को सजा मिलेगी।

हमें यह भी समझना होगा कि सिर्फ प्रशासन को दोष देने से काम नहीं चलेगा। अभिभावकों को भी सतर्क होना होगा। बच्चे कोचिंग भेजने से पहले देखना होगा कि वहां सुरक्षा के इंतजाम हैं या नहीं। निकासी का रास्ता है या नहीं। फायर एनओसी है या नहीं। और सरकार को भी सख्त कानून बनाना होगा। नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई हो। लाइसेंस रद्द हो। इमारत सील हो।

अलीगंज का हादसा हमें याद दिलाता है कि विकास के नाम पर हम सुरक्षा को भूल गए हैं। हर गली में कोचिंग सेंटर खुल गए हैं। लेकिन बच्चों की जान की कोई कीमत नहीं है। अगर अब भी नहीं चेते तो अगला हादसा किसी और गली में होगा। किसी और के बच्चे मरेंगे।

लाक्षागृह की कहानी महाभारत में खत्म हो गई थी। लेकिन हकीकत में यह आज भी दोहराई जा रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुर्योधन किसी और रूप में है। वह लालच है, लापरवाही है, नियमों की अनदेखी है। और आग में जलने वाले वही बच्चे हैं जो देश का भविष्य बनने वाले थे।

आज उन 15 बच्चों की याद में हमें यह प्रण लेना होगा कि अब और मौत नहीं होगी। न नियमों की अनदेखी होगी, न लापरवाही। क्योंकि एक हादसा सौ सरकारी योजनाओं पर भारी पड़ता है। और अलीगंज का यह हादसा पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। जवाब हमें देना होगा। अब, तुरंत, बिना देर किए।

हिमाचल के GI टैग उत्पादः सांस्कृतिक विरासत और आत्मनिर्भरता की नई पहचान

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध देव संस्कृति, लोक परंपराओं और हस्तशिल्प के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका और सामाजिक पहचान का आधार भी है। वैश्वीकरण और औद्योगिकीकरण के इस दौर में पारंपरिक उत्पादों और स्थानीय कलाओं के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हुआ है। ऐसे समय में भौगोलिक संकेतक (GI) टैग इन उत्पादों की पहचान, संरक्षण और आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

हाल ही में हिमाचल प्रदेश के रणसिंघा, हिमाचली वुड कार्विंग क्राफ्ट तथा हस्तनिर्मित गलीचा को त्नद्ब टैग प्राप्त होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि केवल तीन उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

GI टैग किसी ऐसे उत्पाद को प्रदान किया जाता है जिसकी गुणवत्ता, प्रतिष्ठा अथवा विशेषता किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से जुड़ी होती है। यह बौद्धिक संपदा अधिकार का एक महत्वपूर्ण स्वरूप है, जो उत्पाद की मौलिकता को कानूनी संरक्षण देता है। इससे किसी अन्य क्षेत्र में निर्मित वस्तु को उसी नाम से बेचकर उपभोक्ताओं को भ्रमित नहीं किया जा सकता। परिणामस्वरूप स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को उचित मूल्य तथा बाजार में विशिष्ट पहचान प्राप्त होती है।

हिमाचल प्रदेश की GI टैग यात्रा दो दशक से अधिक समय में लगातार आगे बढ़ी है। प्रदेश का पहला GI टैग प्राप्त उत्पाद कुल्लू शॉल था, जिसे वर्ष 2004 में यह सम्मान मिला। इसके बाद कांगड़ा चाय को वर्ष 2005 में, चंबा रूमाल को 2007 में तथा किन्नौरी शॉल को 2008 में त्नद्ब टैग प्राप्त हुआ। वर्ष 2012 में कांगड़ा पेंटिंग और कुल्लू शॉल लोगो को यह पहचान मिली। इसके पश्चात वर्ष 2016 में बासमती चावल (अधिसूचित क्षेत्र सहित), वर्ष 2018 में चंबा चप्पल और हिमाचली चुली ऑयल, तथा वर्ष 2019 में हिमाचली काला जीरा एवं लाहौली ऊनी मोजे एवं दस्तानों को GI टैग प्रदान किया गया। इस गौरवशाली यात्रा में नवीनतम अध्याय वर्ष 2026 में जुड़ा, जब रणसिंघा, हिमाचली वुड कार्विंग क्राफ्ट और हिमाचली हस्तनिर्मित गलीचा को GI टैग प्राप्त हुआ।

इन उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रदेश नहीं, बल्कि अद्वितीय सांस्कृतिक, कलात्मक और पारंपरिक विरासत का भी धनी है।

नवीनतम GI टैग प्राप्त उत्पादों में रणसिंघा विशेष महत्व रखता है। यह पारंपरिक वाद्य यंत्र हिमाचल की देव संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। धार्मिक अनुष्ठानों, मेलों और देव यात्राओं में इसकी गूँज लोक आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक मानी जाती है। GI टैग मिलने से इस वाद्य यंत्र के निर्माण से जुड़े कारीगरों को नई पहचान और आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे। इसी प्रकार हिमाचली वुड कार्विंग क्राफ्ट प्रदेश की प्राचीन स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। कुल्लू, चंबा, मंडी और किन्नौर के मंदिरों तथा पारंपरिक भवनों में दिखाई देने वाली लकड़ी की बारीक नक्काशी हिमाचल के शिल्प कौशल का प्रमाण है। आधुनिक समय में मशीनों से बने उत्पादों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण यह कला धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही थी, किंतु GI टैग ने इसके संरक्षण और पुनर्जीवन की नई संभावनाएँ खोल दी हैं।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

हिमाचली हस्तनिर्मित गलीचा भी प्रदेश की समृद्ध शिल्प परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्थानीय ऊन, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक डिजाइनों से तैयार किए जाने वाले ये गलीचे अपनी विशिष्टता के लिए जाने जाते हैं। GI टैग मिलने से इनकी मौलिकता सुरक्षित होगी और कारीगरों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा।

इन उपलब्धियों में नाबार्ड की भूमिका उल्लेखनीय रही है। संस्थान ने उत्पादों के दस्तावेजीकरण, पंजीकरण और प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और छोटे उत्पादकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलेगा।

GI टैग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे स्थानीय उत्पादकों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त होता है। नकली उत्पादों पर रोक लगती है और उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है तथा रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से ऐसे समय में जब युवा रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, GI उत्पाद स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

हिमाचल जैसे पर्यटन प्रधान राज्य में GI उत्पाद पर्यटन उद्योग को भी नई दिशा दे सकते हैं। यदि प्रमुख पर्यटन स्थलों पर GI उत्पादों के विशेष बिक्री केंद्र स्थापित किए जाएँ और शिल्प ग्राम विकसित किए जाएँ, तो पर्यटक स्थानीय संस्कृति से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। महिला सशक्तीकरण के दृष्टिकोण से भी GI उत्पाद अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बुनाई, कढ़ाई, गलीचा निर्माण और अन्य हस्तशिल्प गतिविधियों में बड़ी संख्या में महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। इन उत्पादों की मांग बढ़ने से उनकी आय में वृद्धि होगी तथा आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। यह ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है।

हालाँकि GI टैग प्राप्त करना अंतिम लक्ष्य नहीं है। वास्तविक चुनौती इन उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, प्रभावी ब्रांडिंग करने और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच सुनिश्चित करने की है। यदि विपणन और प्रचार-प्रसार पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तो GI टैग का अपेक्षित लाभ सीमित रह जाएगा।

डिजिटल युग में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन विपणन इन उत्पादों के लिए नए अवसर प्रदान कर सकते हैं। आवश्यक है कि कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल तकनीक तथा ऑनलाइन व्यापार का प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँच बना सकें। इसके साथ ही राज्य सरकार को GI उत्पादों के लिए विशेष विपणन नीति तैयार करनी चाहिए तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में इन उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए।

हिमाचल के GI टैग उत्पाद यह प्रमाणित करते हैं कि प्रदेश की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय कौशल में निहित है। आवश्यकता इस बात की है कि इन उत्पादों को केवल सम्मान का प्रतीक न मानकर आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता का आधार बनाया जाए। कारीगरों को तकनीकी प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और आधुनिक बाजारों तक पहुँच उपलब्ध कराकर इन धरोहरों को नई ऊर्जा दी जा सकती है।

कुल्लू शॉल की गर्माहट, चंबा रूमाल की कलात्मकता, कांगड़ा चाय की सुगंध, रणसिंघा की गूँज, लकड़ी की नक्काशी की बारीकी और हस्तनिर्मित गलीचों की सुंदरता मिलकर हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का निर्माण करते हैं। GI टैग ने इन धरोहरों को केवल कानूनी सुरक्षा नहीं दी है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि विकास की वास्तविक राह अपनी जड़ों, परंपराओं और स्थानीय पहचान को सहेजते हुए ही आगे बढ़ती है। यदि इन उत्पादों को प्रभावी नीति, मजबूत विपणन और जनसहभागिता का सहयोग मिले, तो वे न केवल हिमाचल की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

संक्षिप्त न्यूज

चीन में आयोजित एशियाई रिले चैंपियनशिप में प्राचार्य डॉ. कुलदीप सिंह को मिला प्रशंसा-पत्र

प्रतियोगिता में सफल संचालन के लिए मिला सम्मान

बरोटीवाला (तारा): चीन के शांग्यू में आयोजित द्वितीय एशियाई रिले चैंपियनशिप एवं राष्ट्रीय एथलेटिक्स रिले चैंपियनशिप के सफल आयोजन में उत्कृष्ट योगदान देने पर बरोटीवाला कालेज के प्राचार्य डॉ. कुलदीप सिंह तथा भारत के अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स तकनीकी अधिकारी को आयोजन समिति की ओर से लेटर ऑफ एप्रिसिएशन प्रदान किया गया। आयोजन समिति ने प्रशंसा-पत्र में डॉ. कुलदीप सिंह के अमूल्य सहयोग, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके महत्वपूर्ण योगदान से प्रतियोगिता का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन संभव हो सका। समिति ने भविष्य में भी उनके साथ मिलकर एथलेटिक्स के विकास के लिए कार्य करने की आशा व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 28 से 31 मई तक हांगकांग में आयोजित अंडर-20 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी डॉ. कुलदीप सिंह ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की थीं। यह सम्मान न केवल डॉ. कुलदीप सिंह की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि राजकीय महाविद्यालय बरोटीवाला, हिमाचल प्रदेश तथा भारतीय एथलेटिक्स जगत के लिए भी गर्व का विषय है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर खेल जगत, सहयोगियों, विद्यार्थियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

सुषमा विनसम टैक्सटाईल कंपनी यूनियन की प्रधान बनी

सर्वसम्मति से दो साल के लिए चुनी कार्यकारिणी

बद्दी, 23 जून (तारा) - बद्दी स्थित विनसम टैक्सटाईल कंपनी की श्रमिक यूनियन के चुनाव में सुषमा को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। दो साल के लिए हुए इकाई का गठन किया गया। भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश इकाई के सदस्य मेला राम चंदेल व राज्य सचिव राजू भारद्वाज की देखरेख में हुए चुनाव में ललिता को उपप्रधान, मोहन यादव को महासचिव, दिनेश तिवारी को सह सचिव, प्रिय दर्शन को कोषाध्यक्ष, रसनेस को सह कोषाध्यक्ष, रितू बाला को संगठन मंत्री, सुषमा देवी को सह संगठन मंत्री, नीलम को प्रचार मंत्री, निशा को सह प्रचार मंत्री चुना गया। इसके अलावा यशवंत कुमारी, चंपा, लैला, रीमत व शालू को कार्यकारिणी में शामिल किया गया। मेला राम चंदेल को कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। मेला राम चंदेल ने कहा कि नई चुनी कार्यकारिणी कामगारों को उत्थान के साथ कंपनी के विकास के लिए प्रयास करेगी। उत्पादन व गुणवत्ता को बढ़ाने का भी नई कार्यकारिणी अपना पूरा सहयोग करेगी।

कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह आज कुटलैहड़ प्रवास पर, तीन दिवसीय जिला स्तरीय पीपलू मेले का करेंगे शुभारंभ, भव्य शोभायात्रा बनेगी आकर्षण का केंद्र

बंगाणा (जोगिंद्र देव आर्य)- प्रदेश सरकार के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह बुधवार को कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह उपमंडल बंगाणा में आयोजित होने वाले

तीन दिवसीय जिला स्तरीय पीपलू मेले का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मेले को लेकर प्रशासन और मेला समिति ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं तथा क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री का स्वागत बंगाणा स्थित होटल आशीर्वाद में किया जाएगा। इसके बाद वहां से पारंपरिक वाद्य यंत्रों, धार्मिक धुनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई ऐतिहासिक पीपलू मंदिर पहुंचेगी। मंदिर परिसर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार झंडा रस्म अदा की जाएगी, जिसके साथ ही जिला स्तरीय पीपलू मेले का औपचारिक शुभारंभ होगा। शोभायात्रा इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित करेगी। इसके अलावा स्थानीय कलाकारों द्वारा लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी, जिससे मेले की धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा और अधिक बढ़ेगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। उनके साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के सदस्य भी मेले में भाग लेंगे। प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, पेयजल, स्वास्थ्य और स्वच्छता सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का दावा किया है ताकि श्रद्धालुओं और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिला स्तरीय पीपलू मेला धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक माना जाता है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक इस मेले में पहुंचकर मंदिर में माथा टेकते हैं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेते हैं। इस वर्ष भी मेले के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पूरे कुटलैहड़ क्षेत्र में उत्सव का वातावरण बना रहेगा।

वीरभद्र सिंह आधुनिक हिमाचल के शिल्पकार थे : कुलदीप पठानिया

93वीं जयंती पर वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि, रिज मैदान पर जुटे कांग्रेस नेता

» प्रथम न्यूज । शिमला

23 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की 93वीं जयंती पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि स्वर्गीय वीरभद्र सिंह एक युगद्रष्टा नेता थे, जिनका आधुनिक हिमाचल के निर्माण में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. वाई.एस. परमार के बाद वीरभद्र सिंह प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रहे। उन्होंने लगभग 22 वर्ष और 7 दिन तक मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी निभाई, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है और उनकी लोकप्रियता तथा नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनका वीरभद्र सिंह के साथ विशेष आत्मीय संबंध रहा और उनसे जुड़ी अनेक स्मृतियां आज भी उनके मन में जीवंत हैं। पठानिया ने कहा कि वीरभद्र सिंह पूरे प्रदेश को समान दृष्टि से देखते थे और उन्होंने कभी क्षेत्रीय या राजनीतिक आधार पर भेदभाव नहीं किया।

उनकी कार्यशैली और विकासोन्मुख सोच आज भी जनप्रतिनिधियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विधानसभा अध्यक्ष ने युवाओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे वीरभद्र सिंह की विकासवादी सोच और जनसेवा की भावना को अपनाकर प्रदेश की प्रगति में योगदान दें। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में हिमाचल ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित कांग्रेस और सरकार के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

सुजानपुर नगर परिषद में लोकतंत्र की हत्या, कांग्रेस सरकार ने संवैधानिक प्रक्रियाओं को किया तार-तार : डॉ. राजीव बिंदल

» प्रथम न्यूज । शिमला

23 जून (बी.शर्मा)

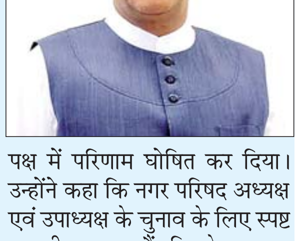

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने जिला हमीरपुर के सुजानपुर नगर परिषद में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव के दौरान हुई घटनाओं को लोकतंत्र और संविधान की खुलेआम हत्या करार देते हुए कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों में लगातार जनता का समर्थन भारतीय जनता पार्टी को मिल रहा है और कांग्रेस पार्टी का जनाधार तेजी से खिसक रहा है। इसी बौखलाहट में कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं को कुचलने का कार्य कर रही है। डॉ. बिंदल ने कहा कि आज सुजानपुर नगर परिषद में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव निर्धारित थे। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी दोनों पक्षों के प्रत्याशियों द्वारा विधिवत नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद लोकतांत्रिक परंपरा और निर्धारित नियमों के अनुसार मतदान कराया जाना आवश्यक था। किंतु आश्चर्यजनक रूप से मतदान की प्रक्रिया ही नहीं करवाई गई और रिटर्निंग अधिकारी ने बिना वोटिंग करवाए कांग्रेस के पक्ष में परिणाम घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान हैं, जिनके अनुसार सीक्रेट बैलेट के माध्यम से मतदान करवाया जाना अनिवार्य है। लोकतंत्र की मूल भावना भी यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधि स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लेकिन सुजानपुर में सभी संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर जिस प्रकार परिणाम घोषित किया गया है, वह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है बल्कि संविधान की आत्मा पर भी कुठाराघात है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि संबंधित सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह से नियमों और कानून के विपरीत है। बिना मतदान कराए किसी उम्मीदवार को विजयी घोषित करना लोकतंत्र की हत्या के समान है।

रोहड़ू नप चुनाव में महिला शक्ति का परचम, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मिला सम्मान

राज्य चुनाव आयुक्त ने किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । रोहड़ू

23 जून (बी.शर्मा)

नगर परिषद रोहड़ू निर्वाचन-2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में आज चांशल सम्मेलन कक्ष, कार्यालय उपमंडलाधिकारी (नागरिक), रोहड़ू में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्त, हिमाचल प्रदेश, अनिल खाची ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में तैनात महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि नगर परिषद रोहड़ू निर्वाचन-2026 लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की सहभागिता, दक्षता एवं नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मतदान से लेकर मतगणना तक संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का सफल संचालन महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जाना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। अनिल खाची ने कहा कि नगर परिषद रोहड़ू के चुनाव में महिला कर्मचारियों ने देश एवं प्रदेश में एक नई मिसाल कायम की है। महिलाओं ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, दक्षता और समर्पण के साथ किया, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया का सफल एवं पारदर्शी संचालन सुनिश्चित हो सका। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ चुनाव के दौरान आई चुनौतियों तथा की गई व्यवस्थाओं के संबंध में संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर उन्होंने निर्वाचन कार्यों के दौरान सामने आई समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन ड्यूटी में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों, माइक्रो ऑब्जर्वरों, मतगणना पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों, सुरक्षा कर्मियों तथा अन्य सहयोगी कर्मचारियों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहड़ू, धर्मेश रामौत्रा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा चुनाव के दौरान की गई समस्त व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

बद्दी नगर निगम में फर्जी मतदाता पंजीकरण का मुद्दा उठाया, उच्च न्यायालय जाने की चेतावनी

हंसराज चंदेल की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सोलन को सौंपा ज्ञापन

» प्रथम न्यूज । बद्दी

23 जून (तारा)

हिमाचल भाजपा किसान मोर्चा के कोषाध्यक्ष एवं दून किसान मोर्चा के प्रभारी हंसराज चंदेल ने बद्दी नगर निगम क्षेत्र में बाहरी राज्यों के व्यक्तियों के कथित अवैध एवं फर्जी मतदाता पंजीकरण को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी हिमाचल प्रदेश के नाम उपायुक्त सोलन के माध्यम से एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। हंस राज चंदेल की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया गया है कि नगर निगम के विभिन्न वार्डों में नियमों के विपरीत मतदाता बनाए जाने के प्रयास हो रहे हैं, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि सभी संदिग्ध मतदाता आवेदनों की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए तथा जो आवेदन नियमों के विरुद्ध पाए जाएं, उन्हें तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही, जिन आवेदकों ने पहचान के रूप में आधार कार्ड प्रस्तुत किया है लेकिन उसमें दर्ज पता बद्दी नगर निगम क्षेत्र से बाहर का है, उनसे कार्यपालक दंडाधिकारी द्वारा सत्यापित शपथ-पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए कि उनका नाम किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है।

हंसराज चंदेल ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ बीएलओ कथित रूप से दबाव में आकर बिना उचित सत्यापन के मतदाता पंजीकरण कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे मामलों की स्वतंत्र जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि हाल ही में पंचायत चुनावों में मतदान कर चुके कुछ लोग अब नगर निगम क्षेत्र में भी मतदाता बनने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी जांच आवश्यक है।

ज्ञापन में प्रमुख मांगों के तहत प्रत्येक आवेदक के वास्तविक निवास का भौतिक सत्यापन, वार्डवार मतदाता संख्या की विशेष समीक्षा, बीएलओ की कार्यप्रणाली की जांच, 14 दिनों के भीतर संदिग्ध आवेदनों का निपटारा तथा क्षेत्र की जनसांख्यिकीय संरचना को प्रभावित करने वाले कथित फर्जी पंजीकरणों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की गई है।

निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने बताया कि ज्ञापन मिला है और मामले की उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

वर्ष 2015 में भी उठाया था हंसराज ने मामला

चंदेल ने ज्ञापन में वर्ष 2015 का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन नगर परिषद बद्दी में भी फर्जी मतदाता बनाए जाने का मामला सामने आया था, जिसके बाद न्यायालय के हस्तक्षेप और सत्यापन अभियान में बड़ी संख्या में कथित फर्जी मतदाता प्रविष्टियां हटाई गई थीं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस बार समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

ज्ञापन के अंत में चेतावनी दी गई है कि यदि शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं की गई, तो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की रक्षा और जनहित में मामले को न्यायालय के समक्ष उठाने पर विचार किया जाएगा।

HRTC कर्मचारियों पर हड़ताल की पाबंदी, कांग्रेस सरकार की तानाशाही का प्रमाण : बिक्रम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । मंडी

23 जून (बी.शर्मा)

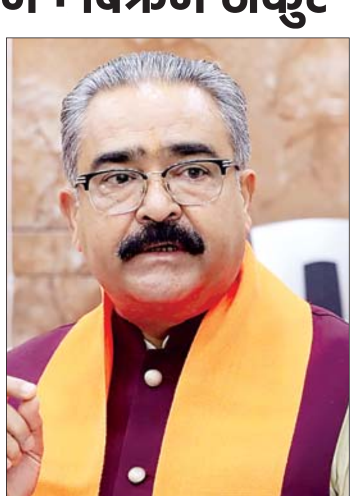

पूर्व परिवहन मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बिक्रम ठाकुर ने HRTC कर्मचारियों पर छह महीने तक हड़ताल पर प्रतिबंध लगाने तथा आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (ESMA) लागू करने के निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए इसे कांग्रेस सरकार की तानाशाही और कर्मचारी विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया है।

बिक्रम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार HRTC कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल रही है। कर्मचारियों को समय पर वेतन, भत्ते और अन्य वित्तीय लाभ नहीं मिल रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को सुनने और समाधान करने के बजाय सरकार अब ESMA का सहारा लेकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र में कर्मचारियों को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, जिसे सरकार कुचलना चाहती है। उन्होंने कहा कि HRTC की बदहाल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। निगम में बसों की भारी कमी, चालकों और परिचालकों सहित विभिन्न श्रेणियों के सैकड़ों रिक्त पद, संसाधनों का अभाव और बढ़ता आर्थिक संकट सरकार की विफलताओं की कहानी बयां कर रहा है। सरकार इन समस्याओं का समाधान करने के बजाय केवल आदेश, प्रतिबंध और कानूनों का भय दिखाकर अपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास कर रही है। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों के हितों की बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन आज वही कर्मचारी अपने अधिकारों और लंबित देयकों के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। यदि सरकार वास्तव में कर्मचारियों के हितों को लेकर गंभीर होती तो ESMA लागू करने की बजाय कर्मचारी संगठनों से संवाद कर उनकी जायज मांगों का समाधान करती। उन्होंने कहा कि ESMA का उपयोग असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है, लेकिन हिमाचल की कांग्रेस सरकार इसे अपनी प्रशासनिक विफलताओं को छिपाने और कर्मचारियों के लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने के हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। बिक्रम ठाकुर ने प्रदेश सरकार से हड़ताल पर लगाए गए प्रतिबंध और श्वस्क्रूलागू करने के फैसले पर पुनर्विचार करने तथा HRTC कर्मचारियों की लंबित मांगों का तत्काल समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा जब कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी तथा कर्मचारी विरोधी नीतियों का हर स्तर पर पुरजोर विरोध करेगी।

गोयला स्कूल से स्टाफ के अभाव में आठ छात्रों ने दूसरे स्कूलों में किया पलायन

पट्टा मेहलोग, (तारा): शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोयला में स्टाफ की भारी कमी विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता का कारण बनी हुई है। वाणिज्य और विज्ञान विषयों के प्रवक्ता न होने से आठ विद्यार्थियों ने दूसरे स्कूलों में दाखिला ले लिया है। यदि यही स्थिति बनी रही तो यहां वाणिज्य और विज्ञान की कक्षाएं बंद होने का खतरा है। स्कूल में कुल पांच प्रवक्ता पद रिक्त पड़े हैं। स्कूल में वाणिज्य के दोनों पद खाली हैं। विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान के प्रवक्ता का पद भी रिक्त है। कला संकाय में इतिहास और राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता के पद भी लंबे समय से खाली पड़े हैं। सितंबर 2006 में गोयला स्कूल को दसवीं से जमा दो तक उन्नत किया गया था। तब से ही यहां कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों विषय पढ़ाए जा रहे हैं। स्टाफ की कमी के कारण आठ विद्यार्थी पट्टा, चंडी और दिग्गल के स्कूलों में चले गए हैं। एसएमसी के प्रधान गुरुदेव वर्मा ने सरकार पर ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अध्यापक राजनीतिक दबाव बनाकर अपनी मर्जी के स्कूलों में स्थानांतरण करवा लेते हैं। स्थानांतरण होने पर इन अध्यापकों को बिना स्थानापन्न अध्यापक के ही कार्यमुक्त कर दिया जाता है। इससे ग्रामीण स्कूलों में स्टाफ की कमी बनी रहती है। वर्मा ने आशंका जताई कि लगातार अध्यापकों के पद खाली रहने से सरकार इन विषयों को समाप्त प्राय संवर्ग में डाल देगी। इससे ये विषय हमेशा के लिए यहां से बंद हो जाएंगे।

मैहला जातर-2026 में गूंजा लोक संस्कृति का रंग

युवाओं से रूबरू हुए विधायक डॉ. जनक राज, सांस्कृतिक विरासत पर दिया जोर

» प्रथम न्यूज । चम्बा

23 जून (एएम नाथ)

मैहला जातर-2026 कार्यक्रम मंगलवार को उत्साह और पारंपरिक रंगों के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन हेल्पिंग युथ मैहला संस्था द्वारा किया गया, जिसमें भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विधायक डॉ. जनक राज का संस्था के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित युवाओं और गणमान्य नागरिकों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए क्षेत्र के विकास, सामाजिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर चर्चा की।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि मैहला जातर जैसे आयोजन हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को जीवित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से समाज हित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

डॉ. जनक राज ने हेल्पिंग युथ मैहला संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण बनाने का सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए संस्था के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने भी इस आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। मैहला जातर-2026 ने एक बार फिर क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि और सामुदायिक सौहार्द का संदेश दिया।

टी20 में भारत की नई शुरुआत

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना हुई टीम; वैभव-श्रेयस पर रहेंगी नजरें

श्रेयस अय्यर के सामने नई जिम्मेदारी

टी20 टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के हाथों में है। टी20 विश्व कप जीत के बाद यह उनकी पहली बड़ी जिम्मेदारी होगी। यह सीरीज सिर्फ जीत-हार के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक और 2028 टी20 विश्व कप की तैयारियों के नजरिए से भी बेहद अहम मानी जा रही है।

टीम में कई बदलाव

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शुरुआती टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। वहीं मेनिस्कस सर्जरी के बाद पुनर्वास से लौट रहे हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी एक बार फिर भारतीय टीम का हिस्सा बने हैं।

वनडे टीम में विराट कोहली की वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शुभमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि श्रेयस अय्यर उपकप्तान होंगे। इस सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी भी देखने को मिल सकती है। कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल पाए थे। हालांकि उनकी उपलब्धता फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगी।

टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम अब एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही है। श्रेयस अय्यर की अगुआई में भारतीय टीम सोमवार को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए रवाना हुई। भारत को सबसे पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलने हैं। दोनों मैच डबलिन में 26 और 28 जून को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

सबसे ज्यादा चर्चा में वैभव सूर्यवंशी

इस दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी हैं। महज 15 साल 71 दिन की उम्र में भारतीय टीम में जगह बनाकर उन्होंने 36 साल पुराना सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हाल ही में आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले वैभव को पहली बार सीनियर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अगर उन्हें आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू का मौका मिलता है तो वह भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे।

प्रिंस यादव को भी मिला पहला मौका

युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के लिए भी यह दौरा बेहद खास है। आईपीएल 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें पहली बार भारतीय टी20 टीम में चुना गया है। क्रिकेट विशेषज्ञों की नजरें इस युवा तेज गेंदबाज पर भी रहेंगी, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपनी गति तथा नियंत्रण से प्रभावित किया है।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारत का पूरा कार्यक्रम

भारत बनाम आयरलैंड टी20 सीरीज

तारीख	मुकाबला	स्थान	समय (भारतीय)
26 जून	पहला टी20	डबलिन	शाम 6:00 बजे से
28 जून	दूसरा टी20	डबलिन	शाम 6:00 बजे से

भारत बनाम इंग्लैंड टी20 सीरीज

तारीख	मुकाबला	स्थान	समय (भारतीय)
1 जुलाई	पहला टी20	चेस्टर-ले-स्ट्रीट	रात 10:00 बजे से
4 जुलाई	दूसरा टी20	मैनचेस्टर	शाम 7:00 बजे से
7 जुलाई	तीसरा टी20	नॉटिंघम	रात 10:00 बजे से
9 जुलाई	चौथा टी20	ब्रिस्टल	रात 10:00 बजे से
11 जुलाई	पांचवां टी20	साउथैम्प्टन	शाम 7:00 बजे से

भारत बनाम इंग्लैंड वनडे सीरीज

तारीख	मुकाबला	स्थान	समय (भारतीय)
14 जुलाई	पहला वनडे	बर्मिंघम	दोपहर 3:30 बजे से
16 जुलाई	दूसरा वनडे	कार्डिफ	शाम 5:30 बजे से
19 जुलाई	तीसरा वनडे	लंदन	दोपहर 3:30 बजे से

एक टीम, एक सपना, भारत विजय का अपना!

12 करोड़ के घाटे के साथ डीसी में लौटे ऋषभ पंत, कुलदीप अगले सीजन एलएसजी की जर्सी में दिखेंगे

आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने एक बड़ी ट्रेड को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत अब एलएसजी से डीसी में चले जाएंगे, जबकि डीसी के कुलदीप यादव अगले सीजन में एलएसजी के लिए खेलते दिखेंगे। गवर्निंग बॉडी ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की।

आईपीएल 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में एलएसजी ने पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन पंत अब 15 करोड़ में डीसी में वापस लौटेंगे। वहीं, कुलदीप अपनी मौजूदा फीस 13.5 करोड़ रुपये पर ही एलएसजी में जा रहे हैं।

आईपीएल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ट्रेड के बाद पंत 15 करोड़ की संशोधित फीस पर डीसी में वापस आएंगे। कुलदीप अपनी मौजूदा फीस 13.50 करोड़ रुपये पर एलएसजी में शामिल होंगे। ऋषभ पंत और कुलदीप यादव दोनों आईपीएल 2024 तक दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक साथ खेल चुके हैं। आईपीएल 2025 और 2026 के लिए पंत एलएसजी से जुड़े थे, लेकिन कुलदीप डीसी का ही हिस्सा रहे।

पंत 2016 से 2024 तक डीसी का हिस्सा रहे थे। इस दौरान वह 2021 से 2024 तक टीम के कप्तान भी रहे। पंत ने 43 मैचों में डीसी की कप्तानी की, जिसमें टीम ने 23 मैचों में जीत हासिल की, जबकि 20 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। डीसी के लिए 2016 से 2024 के बीच पंत ने कुल 111 मैच खेले थे।

पंत का आईपीएल 2025 और 2026 सीजन एलएसजी के लिए बतौर कप्तान और बल्लेबाज बेहद निराशाजनक रहा था। संभावना जताई जा रही थी कि आईपीएल 2027 में डीसी की जर्सी में दिख सकते हैं, और अब यह संभावना सही साबित हो गई है। एलएसजी कुलदीप यादव के लिए तीसरी टीम होगी। कुलदीप 2016 से 2021 तक कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा रहे हैं। वहीं, आईपीएल 2022 से 2026 तक वह डीसी का हिस्सा रहे। कुलदीप के आने से एलएसजी की स्पिन गेंदबाजी मजबूत होगी। भारतीय टीम का यह दिग्गज स्पिनर 110 आईपीएल मैचों में 112 विकेट ले चुका है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्रवाद और अखंड भारत के संकल्प का प्रेरणास्रोत : भाजपा

» प्रथम न्यूज । जालंधर
23 जून (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर शहरी के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हॉस्पिटल में भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे' के उद्घोषक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक देशवासी के हृदय में सदैव राष्ट्रवाद की लौ प्रज्वलित करता रहेगा। प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने

राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाली विचारधारा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक विधान, एक प्रधान और एक निशान की स्थापना के लिए किया गया उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण देव भंडारी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और दृढ़ संकल्प का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने देश की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी प्रकार के भेदभाव और अलगाववाद का विरोध किया। आज प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।

जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 का हटना डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। भाजपा कार्यकर्ता उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्रहित और जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला सचिव अमित भाटिया, कर्मजीत कौर चौधरी, जगबीर बराड़, पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी, सुभाष सूद, रमेश शर्मा दीवान, अमित अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार आर.के., मनीष बल, जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी भंडारी, योगेश मल्होत्रा, अशोक चढा, प्रमोद कश्यप, सुनील चोपड़ा, दिनेश मोहिंदरू, अजय जोशी, गुरप्रीत विक्की, तरुण छबड़ा, अजय भारद्वाज, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय परिसर से निजी रास्ता निकालने के विरोध में फूटा कॉलोनीवासियों का गुस्सा

» प्रथम न्यूज । बद्दी
23 जून (तारा)

हाउसिंग बोर्ड फेस-एक स्थित हिमुडा (हिमाचल प्रदेश हाउसिंग एवं शहरी विकास प्राधिकरण) कार्यालय परिसर से कथित तौर पर निजी रास्ता निकाले जाने की योजना के विरोध में कॉलोनीवासियों ने सोमवार को जोरदार विरोध दर्ज करवाया। दर्जनों निवासी सहायक अभियंता कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर मांग की कि कार्यालय परिसर की भूमि का उपयोग किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए न किया जाए।

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि हाउसिंग बोर्ड फेस-एक स्थित हिमुडा कार्यालय के साथ विभाग की चारदीवारी के भीतर खाली पड़ी भूमि से निजी रास्ता निकालने की तैयारी की जा रही है। उनका कहना है कि प्रस्तावित रास्ता कॉलोनी के बीचोंबीच से गुजरेगा, जिससे वर्षों से बनी आवासीय क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

निवासियों ने कहा कि फेस-एक और फेस-दो कॉलोनियों से लगते ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले पहले से कई मुख्य मार्ग मौजूद हैं। ऐसे में कॉलोनी के भीतर से नया रास्ता निकालने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम हाउसिंग बोर्ड से बाहर रहने वाले

एक निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है, जिसका कॉलोनीवासी पुरजोर विरोध करते हैं। कॉलोनीवासियों ने विभागीय अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन में स्पष्ट किया कि यदि उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए रास्ता निकालने की कार्रवाई की गई तो इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन किया जाएगा। साथ ही विभाग के विरुद्ध कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी विभागीय अधिकारियों को इस विषय में अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद मामले को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने मांग की कि कॉलोनी की सुरक्षा, शांति और निवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। इस मौके पर आरबी सिंह, जसदेव सिंह, रमनीत सिंह, गुलशन मेहता, रुपिंदर सूद, राजेश शर्मा, जोगीराम, सुरेंद्र बंसल, भागीरथ, मामचंद गर्ग, रजनी देवी, अनीता देवी, ऊषा देवी, रचना, सीमा गुप्ता, निर्मला देवी, निशा, प्रीति देवी, खुशी, लवली शर्मा सहित अनेक कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

क्या बोले कॉलोनीवासी

कॉलोनीवासियों ने कहा कि कॉलोनी की सुरक्षा और निवासियों के हित सर्वोपरि हैं। किसी भी निजी लाभ के लिए कॉलोनी के बीच से रास्ता निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर आंदोलन और कानूनी लड़ाई दोनों लड़ी जाएंगी। हिमुडा के सहायक अभियंता संदीप ठाकुर ने बताया कि कॉलोनीवासियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है। मामले से उच्च अधिकारियों को अवगत करवा दिया जाएगा और उनके निर्देशानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कुपोषण मुक्त बचपन की दिशा में पहल

बैरागढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया मिशन जीवन उपहार का प्रशिक्षण

» प्रथम न्यूज । तीसा
23 जून (एएम नाथ)

बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय तीसा के अंतर्गत वृत बैरागढ़ में मिशन जीवन उपहार कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन खंड समन्वयक पोषण अभियान राजकुमार द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान राजकुमार ने कार्यकर्ताओं को कुपोषित बच्चों की पहचान, उनके स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों के संग्रहण तथा मिशन जीवन उपहार के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली खाद्य

सामग्री के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक पोषण सहायता उपलब्ध करवाना है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके।

उन्होंने कहा कि मिशन जीवन उपहार के तहत प्रत्येक वृत स्तर पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की सही पहचान कर सकें और उनके आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित कर विभाग तक पहुंचा सकें। इससे बच्चों की निगरानी और पोषण संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

बाल विकास परियोजना अधिकारी तीसा श्रीमती वीना देवी ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित मिशन जीवन उपहार के माध्यम से कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें कुपोषण मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों को विशेष पोषक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और उनके स्वास्थ्य में सुधार देखा जा रहा है।

इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी तीसा श्रीमती वीना देवी, वृत्त पर्यवेक्षक रीतो देवी, पूजा देवी, खंड समन्वयक राजकुमार तथा क्षेत्र की अनेक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पोषण जागरूकता और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

नारी शक्ति केंद्र गुरदासपुर में महिला व बाल अधिकार कानूनों को लेकर विशेष ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
23 जून (संदीप सन्नी)

नारी शक्ति केंद्र, गुरदासपुर में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों व उनकी सुरक्षा से संबंधित कानूनों को लेकर एक विशेष प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में मुख्य रूप से अवेयरनेस, सपोर्ट, हेल्प एंड एक्शन, बाल विवाह उन्मूलन के लिए बनाई गई %एसओपी 2025% तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) एक्ट, 2013 जैसे गंभीर विषयों पर विस्तृत ट्रेनिंग दी गई।

कानूनी विशेषज्ञों ने शांत की अधिकारियों की शंकाएं इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरप्रीत सिंह (सचिव, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, गुरदासपुर) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ट्रेनिंग में हिस्सा लेने आए विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को उक्त कानूनों की बारीकियों और व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने फील्ड में काम करने के दौरान आने वाली कानूनी अड़चनों और अधिकारियों द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

इन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी रहे मौजूद बाल कल्याण समिति गुरदासपुर और जिला कार्यक्रम अधिकारी गुरदासपुर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के समूह बाल विकास परियोजना अधिकारी और उनके ब्लॉकों से संबंधित सुपरवाइजर विशेष रूप से उपस्थित हुए।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच पूरी, अब होगा एक्शन, SIT ने गृह विभाग को सौंपी रिपोर्ट

लखनऊ (ब्यूरो): अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबद्ध लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि यह एक गोपनीय जांच है और फिलहाल केवल प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। जांच से जुड़े तथ्यों और निष्कर्षों को रिपोर्ट में शामिल कर शासन को अवगत कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच की कार्यवाही अभी जारी है और कई बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसे शासन को सौंपा जाएगा।

गौरतलब है कि अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की धनराशि में कथित अनियमितताओं और गबन के आरोप सामने आने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया था। मामले की गंभीरता और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी में लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन को शामिल किया गया। जांच दल को पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों को सामने लाने और आवश्यक कार्रवाई के संबंध में शासन को रिपोर्ट देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर बड़ा सड़क हादसा, शिवपुरी चौकी प्रभारी विनोद शर्मा नहीं रहे

नई टिहरी/ऋषिकेश (ब्यूरो)- ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिवपुरी क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुलिसकर्मियों को लेकर जा रही एक स्कॉर्पियो वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में शिवपुरी चौकी प्रभारी विनोद शर्मा की मौत हो गई, जिससे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब पुलिसकर्मियों को लेकर जा रही स्कॉर्पियो शिवपुरी क्षेत्र से गुजर रही थी। अचानक वाहन चालक का नियंत्रण वाहन पर से हट गया और स्कॉर्पियो सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ तथा अन्य राहत-बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंच गए और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

रेस्क्यू टीम ने कठिन परिस्थितियों के बीच खाई में उतरकर वाहन तक पहुंच बनाई। बचाव कार्य के दौरान शिवपुरी चौकी प्रभारी विनोद शर्मा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बाद में उनका शव खाई से बाहर निकाला गया।

विनोद शर्मा थाना मुनिकीरेती क्षेत्र के अंतर्गत शिवपुरी चौकी में तैनात थे। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वाहन किस वजह से अनियंत्रित हुआ। वहीं, वाहन में अन्य लोग सवार थे या नहीं, इस संबंध में भी आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

डीएलएसए की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने किया नशा मुक्ति केन्द्र का निरीक्षण

कुरुक्षेत्र 23 जून (बृज मोहन) जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने एलएनजेपी अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस निरीक्षण के दौरान इस केंद्र में चार मरीज भर्ती थे। उन्होंने मरीजों से बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और कुशल-क्षेम के बारे में जानकारी ली। इस दौरान केंद्र में स्टाफ सदस्य उपस्थित थे तथा परिसर साफ-सुथरा एवं सुव्यवस्थित पाया गया।

अमेरिका और ईरान के बीच हुए ज्ञापन समझौते का भारत करता है स्वागत : अजित डोभाल

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
23 जून (ब्यूरो)

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि भारत ईरान और अमेरिका के बीच हुए ज्ञापन समझौते का स्वागत करता है और इस डेवलपमेंट को उम्मीद के साथ देखता है। भारत उम्मीद करता है कि यह क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता में सकारात्मक योगदान देगा। 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग में एनएसए डोभाल ने कहा, भारत अमेरिका और ईरान के बीच हुए ज्ञापन समझौते का स्वागत करता है। हमें उम्मीद है कि यह काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। बेघरों के लिए स्टेट चुनना एक बहुत अच्छा डेवलपमेंट है। उन्होंने कहा कि इससे सप्लाई चेन की रुकावटें दूर होंगी और फर्टिलाइजर और केमिकल वगैरह के फील्ड में कई कमियां पूरी हो जाएंगी। एनएसए डोभाल ने कहा, इस इलाके और उससे आगे के देशों को जो नेविगेशन की आजादी मिलेगी, उससे शायद हमारी आर्थिक खुशहाली भी बहुत बढ़ेगी। दोस्तों, हमें नए सुरक्षा खतरों और चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने 17 जून को युद्ध खत्म करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकली एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसमें डील की आखिरी शर्तों पर बातचीत करने के लिए सीजफायर को 60 दिन के लिए बढ़ाने की बात कही गई। इस समझौते ने अमेरिका और ईरान के बीच लगभग चार महीने से चल रहे झगड़े को खत्म कर दिया। तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और इलाके के सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत के लिए 60 दिन का समय मिल गया। इससे पहले, भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी खत्म करने, इलाके को स्थिर करने और व्यापार को फिर से शुरू करने के मकसद से हुए एमओयू का स्वागत किया था।

विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया था कि लगातार बातचीत ही पश्चिम एशिया में पक्की शांति और होर्मुज स्ट्रेट के जरिए बिना किसी रुकावट के नेविगेशन की आजादी और दुनिया भर में व्यापार के फ्लो का एकमात्र रास्ता है।

मंत्रालय ने यह भी कहा था कि भारत ने लगातार तनाव कम करने, बातचीत और डिप्लोमेसी की वकालत की है, जो चल रहे संघर्ष को जल्दी खत्म करने के लिए जरूरी हैं।

एनकाउंटर या हत्या? भरत तिवारी एनकाउंटर पर घिरी बिहार पुलिस, आयोग ने भेजा नोटिस

» प्रथम न्यूज । बिहार
23 जून (ब्यूरो)

बिहार के भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में अब जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है. मामले में बिहार मानवाधिकार आयोग (BHRC) ने सक्रियता दिखाते हुए प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है.

आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (DGP) और भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (SP) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. मानवाधिकार आयोग की इस कार्रवाई के बाद पुलिस और प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है.

इससे पहले 20 जून 2026 को दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले को राष्ट्रीय

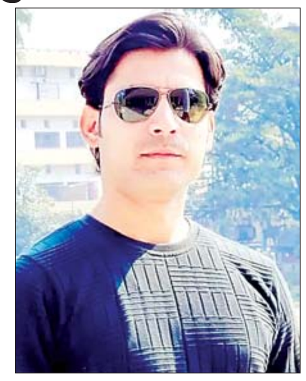

मानवाधिकार आयोग (NHRC) के सामने उठाया था. उन्होंने शिकायत के जरिए पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी या सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी. शिकायत में आरोप लगाया गया कि भरत भूषण तिवारी मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई. इसके बाद पुलिस कार्रवाई की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े होने लगे.

पुलिस ने मानी अपनी गलती

मामले में सबसे बड़ा घटनाक्रम तब सामने आया जब बिहार पुलिस मुख्यालय ने पहली बार कार्रवाई में हुई चूक को स्वीकार किया. लॉ एंड ऑर्डर एडीजी सुधांशु कुमार ने 22 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 16 जून को पुलिस टीम जब आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी, उस दौरान हालात को सही तरीके से संभाला नहीं गया. उन्होंने माना कि पुलिस स्तर पर गंभीर गलती हुई है और इस मामले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. एडीजी ने कहा कि पूरे मामले की जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से की जा रही है. जांच में फॉरेंसिक साइंस लैब की मदद ली जा रही है और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा. पुलिस मुख्यालय खुद इस जांच की निगरानी कर रहा है. जांच एजेंसियां अब कई अहम सवालों के जवाब तलाश रही हैं.

देहरादून में बेकाबू सिटी बस का कहर, 6 मजदूरों को कुचला; एक की मौत

पटेलनगर में दर्दनाक हादसा, चालक को दौरा पड़ने से अनियंत्रित हुई बस, सड़क किनारे चल रहे मजदूरों पर चढ़ी सिटी बस, 5 गंभीर

» प्रथम न्यूज । देहरादून
23 जून (ब्यूरो)

राजधानी देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र स्थित लालपुर में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक बेकाबू सिटी बस सड़क किनारे पैदल जा रहे मजदूरों पर चढ़ गई, जिससे छह मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों की मदद में जुट गए। प्रारंभिक जांच में सामने

आया है कि हादसे के समय बस चालक को अचानक दौरा पड़ गया था, जिसके कारण वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

घटना के बाद घायल मजदूर काफी देर तक सड़क पर तड़पते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुरुआती समय में उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए कोई वाहन चालक तैयार नहीं हुआ। बाद में पुलिस ने राह चलते वाहनों को रुकवाकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा और ऑटो की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

दिल्ली के तकिया काले खान के पास भीषण आग से 30 झुग्गियां जलकर खाक

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
23 जून (ब्यूरो)

दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे तकिया काले खान इलाके की वाल्मीकि बस्ती में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं।

साथ ही बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री भी नष्ट हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आग की तीव्रता के बावजूद आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां इलाके में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय पुलिस टीमें स्थिति का आकलन करने और बचाव एवं निकासी अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचीं। भीषण आग ने वहां संग्रहीत पुराने फर्नीचर, लकड़ी, प्लाईवुड और अन्य अत्यधिक दहनशील सामग्रियों के एक बड़े भंडार को अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें तेजी से फैल गईं, जिससे आसपास की झोपड़ियों और घनी आबादी में रहने वाले निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ।

पुलिसकर्मियों ने तुरंत निकासी अभियान चलाया और स्थानीय निवासियों को तेजी से फैल रही आग से उत्पन्न खतरे के बारे में सचेत किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ निवासियों के प्रतिरोध के बावजूद, जो अपने घरों और सामान को पीछे छोड़ने के लिए अनिच्छुक थे, पुलिस ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखे। त्वरित हस्तक्षेप के माध्यम से, पुलिस टीमों ने पूरे संवेदनशील क्षेत्र को सफलतापूर्वक खाली करा लिया और कई परिवारों के सदस्यों सहित 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

इसके साथ ही, घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग, बीएसईएस और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को दी गई, जिन्होंने तेजी से मामले की गंभीरता को समझा और साइट पर आपातकालीन संसाधन तैनात किए।

अधिकारियों ने कहा कि आग से निपटने के लिए कुल 20 दमकल गाड़ियों को काम पर लगाया गया था, जबकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एहतियात के तौर पर नौ कैट्स एम्बुलेंस को मौके पर मौजूद रहीं। अतिरिक्त रिजर्व पुलिस कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंचे और निकासी प्रयासों, भीड़ नियंत्रण उपायों और फायर टेंडर, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों के लिए स्पष्ट पहुंच मार्ग बनाए रखने में सहायता की। अग्निशमन कर्मियों ने लगभग तीन घंटे के बाद आग पर काबू पाया और अंततः उस पर पूरी तरह से काबू पा लिया।

ऑपरेशन रात भर जारी रहा। अधिकारियों के अनुसार, निवासियों की समय पर निकासी, अग्निशमन संसाधनों की तेजी से तैनाती और सभी एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय ने यह सुनिश्चित किया कि आग की भयावहता और संपत्ति को हुए व्यापक नुकसान के बावजूद कोई जान का नुकसान न हो और कोई घायल न हो। आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और आगे की जांच जारी है।

लखनऊ अग्निकांडः केजीएमयू में भर्ती 5 बच्चों को दी गई छुट्टी, गंभीर रूप से घायलों का इलाज जारी

» प्रथम न्यूज । लखनऊ
23 जून (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद मृतकों के शवों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में लाया गया है। ट्रामा सेंटर में घायलों का इलाज चल रहा है, ऐसे में कई नेता पीड़ितों से मिलने पहुंच रहे हैं। वहीं, केजीएमयू ने अग्निकांड पर अब तक का अपडेट साझा किया है।

केजीएमयू की वाइस चांसलर प्रो. सोनिया नित्यानंद ने कहा, मुझे हर पल की जानकारी है। अलीगंज में आग लगने की घटना हुई है, हम जितना हो सके लोगों को बचाएंगे। लेकिन जिनकी मौत हो चुकी है, उनका पोस्टमार्टम करना होगा, यही अभी की स्थिति है। जिन लोगों का इलाज हो सकता है, उन्हें बचाने पर हमारा पूरा ध्यान है।

केजीएमयू के डॉ. प्रेम राज सिंह ने आईएएनएस से कहा, 15 बच्चों को मृत अवस्था में यहां लाया गया था, जबकि घायल अवस्था में लाए गए 8 बच्चों की स्थिति स्थिर है। एक बच्चा जो ऊपर से कूदा था, उसकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर होने का शक है, डॉक्टर उसकी जांच कर रहे हैं। एक लड़की के पैर में भी चोट आई है। अभी तक दम घुटने से बच्चों की मौत होने की बात सामने आई है। केजीएमयू के प्रवक्ता के.के. सिंह ने कहा, पांच छात्रों को छुट्टी दे दी गई है, क्योंकि उनकी चोटें गंभीर नहीं थीं। दो छात्र जिन्हें ज़्यादा गंभीर चोटें आई हैं, उनका अभी भी इलाज चल रहा है। उनमें से लवप्रीत नाम की एक लड़की के बाएं जांघ में चोट आई है। उसका एक्स-रे किया गया और कोई फ्रैक्चर नहीं मिला। उसके घरवाले दिल्ली से आ रहे हैं, उसे भी छुट्टी दी जा सकती है या कहीं और भेजा जा सकता है।

दूसरा लड़का जयंत है, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। वह ऊपरी मंजिल से कूद गया था। भगवान ने उसकी जान तो बचा ली, लेकिन वह एक लोहे की रॉड पर गिरा, जो उसकी पीठ के निचले हिस्से में घुस गई, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कॉर्ड) में चोट आई। इस वजह से उसके शरीर का निचला हिस्सा अभी सुन्न है। रात में किए गए सीटी स्कैन में उसकी नसों और रीढ़ की हड्डी में चोट और सूजन का पता चला। एमआरआई किया जाना है, जिससे यह तय होगा कि आगे के इलाज के लिए सर्जरी की ज़रूरत होगी या दवा से काम चल जाएगा।

वहीं, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया और कोचिंग सेंटर में लगी आग की घटना के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद और दर्दनाक घटना है जिसमें 15 लोगों की जान चली गई है।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे मृतकों की आत्मा को शांति दें और उनके परिवारों को इस भारी नुकसान को सहने की शक्ति दें।

ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि फायर ब्रिगेड समय पर मौके पर नहीं पहुंची। इसकी जांच होनी चाहिए कि वे समय पर क्यों नहीं पहुंचे।

भारत में कम हो जाएगी पेट्रोल-डीजल की कीमत? अमेरिका ने ईरान से हटाया तेल प्रतिबंध

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
23 जून (एजेंसी)

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर सहमति बनती दिख रही है। इसी क्रम में अमेरिका ने ईरान पर लगा तेल से जुड़ा प्रतिबंध हटा दिया है।

अपनी नीतियों में एक बड़ा बदलाव करते हुए ईरान को 60 दिनों के लिए कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, बिक्री, डिलीवरी और आयात की अनुमति मिल गई है।

इस फैसले से वैश्विक बाजार काफी खुश है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल के दाम नीचे आने लगे हैं और शेयर बाजार में भी तेजी दिख रही है। लेकिन भारत पर इसका क्या और कितना असर होगा, यह एक बड़ा सवाल है।

21 अगस्त तक मिली छूट

अमेरिका से ईरान को जो छूट मिली है, वह 21 अगस्त तक लागू रहेगी। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बाद में यह छूट बढ़ भी सकती है।

फिलहाल की स्थिति को देखें तो यह अभी मुश्किल है कि भारतीय बंदरगाहों पर तुरंत ईरानी कच्चा तेल लगे टैंकर पहुंच जाएं। मगर क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक है, तो उसके लिए ईरान को छूट मिलना एक अहम मौका जरूर हो सकता है। अमेरिका का यह फैसला भारत के लिए उस संभावना के दरवाजे खोल रहा है, जो सालों से नहीं मिली थी।

अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी

ईरान कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के लिए एक बड़ा स्रोत है। अमेरिकी ट्रेजरी ने अभी उसे एक अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी किया है, जिसमें ईरान को शिपिंग, बीमा और बैंकिंग जैसी संबंधित सेवाएं भी शामिल हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की खपत के लगभग 85 फीसदी हिस्से के लिए आयात पर निर्भर है।

ग्लोबल मार्केट में आने वाले हर उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश के इंपोर्ट बजट और भारतीयों की जेब पर पड़ता है। 2018 में अमेरिका के प्रतिबंध के पहले भारत ईरान से सबसे ज्यादा तेल खरीदता था।

ईरान का तेल भारत के लिए फायदे का सौदा

इसकी एक वजह ये भी थी कि भारत में स्थित रिफाइनरी काफी हद तक ईरानी तेल के लिए डिजाइन थी और ईरान से क्रेडिट दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर मिल जाता था।

साथ ही ढुलाई का खर्च भी कम आता था। प्रतिबंध के बाद भारत को रूस, यूएई, इराक और सऊदी अरब जैसे देशों का रुख करना पड़ा। अब ईरान से प्रतिबंध भले ही हट गए हों, लेकिन यह समझना जरूरी है कि फिलहाल इसकी मियाद 60 दिन की है और रिफाइनर बड़ी खरीद बिना लंबे समय की स्पष्टता के नहीं करते। अगर ईरानी तेल धीरे-धीरे ग्लोबल मार्केट में आ जाता है, तो भारत को इसका फायदा निश्चित तौर पर मिलेगा।

होर्मुज खुलने से भी मिलेगी राहत

ईरान ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल का एक बड़ा खिलाड़ी है। मार्केट में ज्यादा तेल यानी खरीदारों के लिए मोल-भाव करने की ज्यादा गुंजाइश। भारत के लिए सुकून की एक और बड़ी वजह होर्मुज है। भारतीय तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से गुजरता है।

ईरान के साथ अमेरिका का तनाव कम हने से भारत की सप्लाई बेरोकटोक चल सकेगी। भारत के कच्चे तेल आयात का बिल भी सालाना 100 अरब डॉलर से ज्यादा का है। अब ईरान के मैदान में उतरने से ग्लोबल क्रूड रेट सस्ता हुआ तो भारत को इसका फायदा मिलेगा।

संक्षिप्त न्यूज

ऑन्कोलॉजी ओपीडी का शुभारंभ किया

होशियारपुर (जगमीत घुम्मन)- मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली ने सोमवार को सिटी हॉस्पिटल, होशियारपुर में अपनी विशेष ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं के शुभारंभ की घोषणा की। ऑन्कोलॉजी सलाहकार डॉ संदीप गुप्ता हर महीने के चौथे सोमवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्राथमिक परामर्श और फॉलो उप के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ गुप्ता ने कहा, कैंसर के सफल उपचार में शीघ्र निदान सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। इन ऑन्को ओपीडी सेवाओं के शुभारंभ से मरीज घर के पास ही समय पर विशेषज्ञ परामर्श, कैंसर जोखिम मूल्यांकन, संदिग्ध लक्षणों का मूल्यांकन, सेकंड ओपिनियन , उपचार योजना और फॉलो उप देखभाल प्राप्त कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को समय पर मार्गदर्शन प्रदान करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उन्नत कैंसर उपचार सेवाओं से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि यह ओपीडी स्थानीय समुदायों और विशेष कैंसर देखभाल सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगी, जिससे मरीजों को निदान,ए उपचार और फॉलो उप जांच में अधिक प्रभावी ढंग से मदद मिलेगी।

बठिंडा में भाजपा नेता के क्लिनिक पर पेट्रोल बम से हमला

AAP छोड़ BJP में हुए थे शामिल

बठिंडा (ब्यूरो)- पंजाब में भाजपा नेता के क्लिनिक पर हमला होने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि पंजाब के जिला बठिंडा में BJP नेता के क्लिनिक पर पेट्रोल बम से हमला हुआ है। जानकारी के मुताबिक बठिंडा में बीजेपी नेता और डॉक्टर के हैनमैन क्लिनिक पर पेट्रोल बम से हमला किया गया है। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन क्लिनिक के गेट के अंदर खड़ी एक एक्टिवा को आग लग गई। यह घटना सोमवार रात करीब पौने 10 बजे की बताई जा रही है। डॉ. तरसेम गर्ग ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से मेला राम रोड स्थित अपने क्लीनिक में रह रहे थे, लेकिन घटना वाले दिन ही घर लौटे थे।

तरसेम गर्ग के हैनमैन क्लिनिक में दो नकाबपोश हमलावर पहुंचे। एक व्यक्ति गेट के बाहर खड़ा होकर बोतल में आग लगा रहा था, जबकि दूसरा घटना का वीडियो बना रहा था। इसी दौरान हमलावर ने क्लिनिक के गेट के अंदर पेट्रोल बम फेंक दिया। क्लिनिक के अंदर मौजूद व्यक्ति ने शोर मचाया, जिसके बाद लोग इकट्ठा हो गए। इस पर हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच करनी शुरू कर दी है।

भाजपा में हुए थे शामिल - बता दें कि डॉ. तरसेम गर्ग पहले आम आदमी पार्टी (AAP) पंजाब ट्रेड विंग के सेक्रेटरी पद की दौड़ में थे और बाद में बठिंडा नगर निगम चुनावों के दौरान इस पद पर चुने गए थे। हालांकि, कुछ समय बाद वे आम आदमी पार्टी से नाराज होकर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

खालसा कॉलेज माहिलपुर में प्रवेश के प्रति छात्रों में भारी उत्साह

होशियारपुर/माहिलपुर (तरसेम दीवाना) - यहां श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर में सत्र 2026-27 के तहत चल रहे विभिन्न स्थापित और नए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इलाके के छात्रों में भारी उत्साह पाया जा रहा है। इस बारे में बात करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह ने बताया कि कॉलेज में छात्रों के प्रवेश के संबंध में विशेष प्रवेश और काउंसलिंग सेल चल रहा है और गर्मी के मौसम में छात्रों की सुविधा के लिए इलाके के विभिन्न गांवों में सात प्रवेश केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। जिनमें छात्र पहुंचकर विशेषज्ञ स्टाफ सदस्यों से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी योग्य मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कॉलेज द्वारा पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत योग्य एससी, एसटी छात्रों से केवल विश्वविद्यालय फीस ही ली जा रही है और संस्थान में अन्य विभिन्न छात्रवृत्ति राशि योजनाएं भी सफलतापूर्वक चल रही हैं जिनसे इलाके के होनहार और विभिन्न वर्गों के जरूरतमंद छात्रों को भी बड़ा लाभ मिलता है।

स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी स्थायी जिम्मेदारी है : कर्ण नंदा

क्लीन हिल्स, ग्रीन हिल्स अभियान के तहत स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 जून (बी.शर्मा)

नेशनल ह्यूमन वेलफेयर काउंसिल (राष्ट्रीय मानव कल्याण परिषद) द्वारा रोटरी क्लब शिमला में क्लीन हिल्स, ग्रीन हिल्स पर्यावरण संरक्षण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और हरे-भरे पहाड़ों के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इन पहाड़ों को स्वच्छ और सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली और संस्कारों का हिस्सा होनी चाहिए। यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर, मोहल्ले, सड़क, पार्क और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाए तो समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

कर्ण नंदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता के प्रति नई चेतना जागृत की है। आज देशभर में करोड़ों लोग स्वच्छता को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे, प्लास्टिक का कम उपयोग करेंगे और अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्यों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। हमें अपने जंगलों, जल स्रोतों और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दें तथा समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कर्ण नंदा ने अपने संबोधन में नारा दिया: स्वच्छ पर्वत - हरित पर्वत, हमारी जिम्मेदारी हमारा संकल्प, कूड़ा नहीं संस्कार फैलाएं, स्वच्छ हिमाचल-हरित हिमाचल बनाएं कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए एक मानव श्रृंखला का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वच्छ और हरित हिमाचल का संदेश दिया।

जन जागरण अभियान के अंतर्गत लोगों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली टी-शर्ट्स और कैरी बैग भी वितरित किए गए। प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त समाज और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में गुंजन गुप्ता, प्यार सिंह कंवर, रमा ठाकुर, सुदीप महाजन, कमलेश, श्याम शर्मा, कुणाल गुप्ता, सुरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के संकल्प के साथ हुआ। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए प्रेरणास्रोत : संजीव कटवाल

राष्ट्र प्रथम की भावना के लिए जीवन समर्पित करने वाले महान राष्ट्रनायक थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय दीपकमल, चक्कर में आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष कमलजीत सूद, पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, केशव चौहान, शांता कुमार, राजू ठाकुर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग, समर्पण और राष्ट्रीय एकता के लिए संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा और भारत की अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित कर दिया। उनका बलिदान भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

संजीव कटवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उस समय जम्मू-कश्मीर में लागू दो विधान, दो प्रधान और दो निशान की व्यवस्था का पुरजोर विरोध किया था। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो संविधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चल सकते। इसी राष्ट्रीय संकल्प को लेकर उन्होंने संघर्ष किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान ही वह प्रेरणा बना जिसने आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी और करोड़ों राष्ट्रभक्तों को जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए संघर्ष करने की शक्ति प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35 को हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार किया गया और जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा से पूर्ण रूप से जोड़ा गया।

संजीव कटवाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक महान शिक्षाविद्, विचारक और राष्ट्रनिर्माता भी थे। वे सबसे कम आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने और उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका मानना था कि राष्ट्र का विकास सांस्कृतिक मूल्यों, शिक्षा और राष्ट्रीय चेतना के आधार पर ही संभव है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और देश की एकता, अखंडता तथा स्वाभिमान के लिए किसी भी त्याग से पीछे नहीं हटना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उनके आदर्शों के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया।

श्रद्धांजलि सभा का समापन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए और उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ हुआ।

मंगलेरा स्कूल में हेडमास्टर पर नशे में पहुंचने के आरोप, अभिभावकों का हंगामा

चम्बा के सरकारी स्कूल में विवाद, हेडमास्टर के व्यवहार पर उठे सवाल

चम्बा (मंगलेरा) (एएम नाथ)- चम्बा जिले के सलूणी उपमंडल की राजकीय उच्च पाठशाला मंगलेरा में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब स्कूल के हेडमास्टर पर शराब के नशे में विद्यालय पहुंचने के आरोप लगे। घटना के बाद स्थानीय लोगों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर विरोध जताया तथा मामले पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

जानकारी के अनुसार, हेडमास्टर के कथित व्यवहार को लेकर अभिभावकों ने आपत्ति दर्ज करवाई। देखते ही देखते मामला चर्चा का विषय बन गया और स्कूल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। आरोप है कि विरोध बढ़ता देख हेडमास्टर स्कूल से बाहर निकल गए। इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जो क्षेत्र में तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है।

ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा संस्थानों में अनुशासन और जिम्मेदारी सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

उधर, शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

हल्दी और लहसुन को जिला के प्रमुख निर्यात उत्पादों के रूप में किया चिन्हित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
23 जून (जितेंद्र गौतम)

जिला मुख्यालय स्थित बचत भवन में जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) की बैठक का आयोजन उद्योग विभाग द्वारा किया गया। बैठक की अध्यक्षता सहायक आयुक्त राजकुमार ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा संबंधित हितधारकों ने भाग लिया।

बैठक में विदेश व्यापार नीति-2023 के अंतर्गत भारत सरकार की डिस्ट्रिक्ट्स एज एक्सपोर्ट हब्स (डीईएच) पहल के तहत जिला बिलासपुर की निर्यात संभावनाओं तथा जिला निर्यात कार्ययोजना (डीईएपी) पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिले के विभिन्न कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पर्यटन तथा एमएसएमई उत्पादों की निर्यात क्षमता का आकलन किया गया।

विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत समिति ने हल्दी और लहसुन को जिला बिलासपुर के प्रमुख निर्यात उत्पादों के रूप में चिन्हित करने का निर्णय लिया। बैठक में बताया गया कि जिले की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियां इन दोनों फसलों के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं तथा इनके प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ निर्यात को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

बैठक में जिला निर्यात कार्ययोजना के अंतर्गत निर्यात क्षमता वाले उत्पादों की पहचान, संभावित निर्यातकों का डेटाबेस तैयार करने, नए उद्यमियों को निर्यात गतिविधियों से जोड़ने तथा निर्यात प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है ताकि स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाया जा सके।

सहायक आयुक्त राजकुमार ने कहा कि जिला बिलासपुर में मत्स्य एवं मत्स्य उत्पाद, शहद एवं मधुमक्खी उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन सेवाओं तथा अन्य एमएसएमई उत्पादों के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने संबंधित विभागों को इन क्षेत्रों में कार्य कर स्थानीय उद्यमियों और उत्पादकों को निर्यात गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

बैठक में भारत सरकार की डाक निर्यात केंद्र पहल की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि यह सुविधा विशेष रूप से सूक्ष्म एवं लघु निर्यातकों को पार्सल निर्यात के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करती है।

साथ ही निर्यातकों को उपलब्ध लॉजिस्टिक सुविधाओं, निर्यात दस्तावेजीकरण, गुणवत्ता मानकों, प्रमाणन प्रक्रियाओं तथा अन्य वैधानिक आवश्यकताओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया गया।

बैठक में निर्यात क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों जैसे सीमित जागरूकता, कोल्ड चेन एवं प्रसंस्करण सुविधाओं की आवश्यकता, निर्यात संबंधी दस्तावेजी प्रक्रियाओं की जटिलता तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

समिति ने निर्यात जागरूकता कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यशालाओं, खरीदार-विक्रेता बैठकों तथा विभिन्न निर्यात संवर्धन संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्णय लिया। बैठक में बताया कि जिला निर्यात कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों में पहचान मिलेगी, किसानों एवं उद्यमियों की आय में वृद्धि होगी तथा जिले में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपा मादीपुर मंडल ने अर्पित की श्रद्धांजलि

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
23 जून (जितेंद्र गौतम)

भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा मादीपुर मंडल कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में दिल्ली प्रांत क्रीड़ा भारती के सह-प्रांत प्रचार प्रमुख अशोक कुमार निर्भय, भाजपा मादीपुर मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव, भाजपा नेता धर्मवीर ठगेला, मंडल कोषाध्यक्ष नवीन जी, शक्ति केंद्र प्रमुख श्रीमती शोभा जी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे । सभी ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर देश में वैचारिक राजनीति की एक नई दिशा प्रदान की। जम्मू-कश्मीर में एक देश, एक विधान, एक निशान और एक प्रधान के सिद्धांत को लेकर उनके संघर्ष को आज भी देश कृतज्ञता के साथ याद करता है।

अशोक कुमार निर्भय ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्र चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने देश की एकता और संप्रभुता के लिए जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने में डॉ. मुखर्जी की भूमिका अतुलनीय रही है।

मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्श मार्गदर्शक हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही राष्ट्र को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। भाजपा नेता धर्मवीर ठगेला ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए जो बलिदान दिया, वह भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके विचार आज भी करोड़ों देशवासियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और जनसेवा के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

AAP ने हरियाणा में पदाधिकारियों की घोषणा की

चंडीगढ़(ब्यूरो)– आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार शाम हरियाणा में पदाधिकारियों की घोषणा की है। जींद, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, नूंह, यमुनानगर, रेवाड़ी, अंबाला, कैथल और हिसार जिले में पार्टी ने अलग-अलग विंग के अंतर्गत अलग-अलग पदों पर पदाधिकारी नियुक्त किए हैं। आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की और साथ ही सभी को बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा, राज्यसभा कार्यकाल समाप्त होने के बाद छोड़ा पद

नई दिल्ली (ब्यूरो)– भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री (स्भ्स्) के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका छह साल का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो गया था। कुरियन शायद केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हुआ है। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा, भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

30 नशीली गोलियों के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – थाना धारीवाल की पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को नशीली गोलियों की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए एसएसपी गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर धारीवाल क्षेत्र से हैप्पी कुमार उर्फ अंकित को काबू किया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 30 नशीली गोलियां बरामद की गईं। आरोपी के खिलाफ थाना धारीवाल में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज कर रजिस्टर कर लिया गया है।

भाजपा की पंजाब की धरती से चुनावी हुंकार

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी आज पहुंचेंगे श्री मुक्तसर साहिब, कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
23 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को श्री मुक्तसर साहिब पहुंचेंगे। उनका यह दौरा आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। भाजपा के पूर्व जिला प्रधान राजेश गोरा पठेला के अनुसार सीएम सैनी दोपहर 12 बजे मुक्तसर पहुंचेंगे।

मुक्तसर पहुंचने के बाद वे सबसे पहले ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब में मत्था टेककर आशीर्वाद लेंगे। धार्मिक आस्था के बाद उनका मुख्य फोकस पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद होगा। सीएम सैनी मलोट रोड स्थित नारायणगढ़ पैलेस में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का फीडबैक

बैठक में राज्य स्तरीय लीडरशिप भी मौजूद रहेगी। बैठक का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का फीडबैक लेना और चुनावी रणनीति पर चर्चा करना बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला मुक्तसर में भाजपा पिछले कुछ समय से लगातार बैठकें कर रही है। पार्टी का पूरा जोर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने पर है। लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा की तैयारियों के लिए यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

स्थानीय भाजपा नेताओं का कहना है कि सीएम के दौरे से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आएगी। साथ ही पार्टी को क्षेत्र की समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचाने का मौका मिलेगा।

पंजाब में 24 से 26 जून की बस हड़ताल टली, यात्रियों को बड़ी राहत

यूनियन की बस सेवाएं सामान्य रूप से संचालित करने की अपील

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
23 जून (ब्यूरो)

सरकारी बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन पंजाब द्वारा 24, 25 और 26 जून को प्रस्तावित हड़ताल को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यूनियन ने सभी डिपो कमेटियों को निर्देश जारी करते हुए बस सेवाएं सामान्य रूप से संचालित करने की अपील की है।

यूनियन के जनरल सेक्रेटरी शमशेर ढिल्लों ने बताया कि संगठन की मांगों को लेकर पिछले दो दिनों से विभाग के सचिव और डायरेक्टर स्टेट ट्रांसपोर्ट के साथ लगातार बातचीत चल रही थी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक रुख दिखाया है, जिसके चलते फिलहाल हड़ताल टालने का निर्णय लिया गया है। शमशेर ढिल्लों के अनुसार, यूनियन की प्रमुख मांगों में शामिल संघर्ष के दौरान कर्मचारियों पर दर्ज मामलों को रद्द करने संबंधी फाइल विभाग और राज्य सरकार द्वारा गृह विभाग को भेज दी गई है।

इसके अलावा कर्मचारियों की अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 24 जून को वित्त मंत्री और परिवहन मंत्री के साथ पैनल बैठक निर्धारित की गई है।

यूनियन ने कहा कि सरकार के साथ होने वाली इस बैठक को देखते हुए 24 जून से शुरू होने वाली हड़ताल को फिलहाल टाल दिया गया है। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी डिपो में बस सेवाएं पहले की तरह जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि 24 जून को सरकार के साथ बैठक के बाद यूनियन की आंतरिक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सरकार के रुख और मांगों पर हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

इसके बाद भविष्य की रणनीति और संभावित आंदोलन को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

यूनियन के इस फैसले से राज्यभर के हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। यदि हड़ताल होती तो तीन दिनों तक पंजाब में सरकारी बस सेवाओं पर व्यापक असर पड़ सकता था। अब सभी की नजरें 24 जून को सरकार और यूनियन के बीच होने वाली बैठक पर टिकी हैं, जिसके परिणाम के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

नगर निगम चुनाव वार्ड नंबर 26 से आप उम्मीदवार अजय कुमार ने विढी चुनाव मुहिम, घर-घर जाकर मांगी वोटें

होशियारपुर, (तरसेम दीवाना) – होशियारपुर नगर निगम के चुनावों का बिगुल बजते ही सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी के तहत वार्ड नंबर 26 से आम आदमी पार्टी (AAP) के सचेत, निडर और आगे बढ़ने की सोच रखने वाले उम्मीदवार अजय कुमार द्वारा अपने साथियों समेत वार्ड के मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क साधा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी ने अजय कुमार की काबिलियत, सचेत और आगे बढ़ने की सोच को देखते हुए उन्हें चुनाव मैदान में उतारा है, जिस कारण वार्ड वासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

वार्ड की सीट जीतकर मुख्यमंत्री भगवंत मान की झोली में डालूंगा

चुनाव प्रचार के दौरान बातचीत करते हुए उम्मीदवार अजय कुमार ने कहा कि मैं वार्ड नंबर 26 के सभी मतदाताओं के सहयोग से यह सीट बड़े बहुमत से जीतकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की झोली में डालूंगा। उन्होंने कहा कि मेरा मुख्य उद्देश्य वार्ड का सर्वांगीण विकास करना और लोगों की मुश्किलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना है।

उन्होंने आगे कहा कि वार्ड नंबर 26 के मतदाता मुझे कभी भी आवाज लगा सकते हैं, मैं अपने वार्ड वासियों की सेवा के लिए दिन-रात एक कर दूंगा और हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहूंगा।

इस मौके पर चुनाव मुहिम के दौरान अजय कुमार के साथ पवन कुमार, सुखदेव सिंह, पवन कटारीया सेठी, कवि सुरजीत कुमार, शिब्बा चक्की वाला, लेख राज, पप्पू, परमजीत पप्पू, सुरजीत कुमार, पचो राम, बंटी, बिट्टू और राजा सहित बड़ी संख्या में वार्ड निवासी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्होंने अजय कुमार को भरपूर समर्थन देने का भरोसा दिया।

हरियाणा में पेपरलेस रजिस्ट्री के दूसरे चरण की शुरुआत

अब रजिस्ट्री के साथ होगा ऑटो इंतकाल, डिजिटल और पारदर्शी बनेगी प्रक्रिया

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
23 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 सितंबर 2025 को कुरुक्षेत्र के लाडवा तहसील से इस व्यवस्था की शुरुआत की गई थी, जिसे 1 नवंबर 2025 से पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दूसरे चरण में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। अब संपत्ति रजिस्ट्री के साथ इंतकाल (म्यूटेशन) प्रक्रिया को भी जोड़ दिया गया है, जिससे नागरिकों को अलग से इंतकाल के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के लिए आवेदन प्रक्रिया को पहले से अधिक सरल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है। दोनों पक्षों के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी (द्व-च्ङ्घष्ट) अनिवार्य कर दी गई है, जिससे पहचान का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति, कंपनी, संस्था या एनआरआई स्वयं रजिस्ट्री प्रक्रिया में उपस्थित नहीं हो सकता, तो वह एक से अधिक प्रतिनिधियों को अधिकृत कर सकता है। डीड को नागरिक स्वयं, डीड राइटर, अधिवक्ता अथवा हेल्प डेस्क की सहायता से भर सकेंगे।

नई व्यवस्था में भूमि का कौन-सा हिस्सा प्राइम श्रेणी और कौन-सा नॉन-प्राइम श्रेणी में आता है, इसकी जानकारी सिस्टम में स्वत: प्रदर्शित होगी। पूरी प्रक्रिया में डिजिटल हस्ताक्षर और बायोमेट्रिक सत्यापन को लागू किया गया है।

उन्होंने कहा कि डीटीपी और एनओसी के लिए अलग-अलग दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि विभागीय

सत्यापन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। साथ ही अधिकतम तीन अवसरों के भीतर मामलों के निपटारे का प्रावधान किया गया है।

ऑटो इंतकाल प्रणाली से लाखों लोगों को राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रशासन में एक और ऐतिहासिक सुधार के रूप में ऑटो इंतकाल प्रणाली भी शुरू की गई है। इससे प्रदेश के लाखों किसानों और भूमि स्वामियों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग पांच लाख से अधिक इंतकाल लंबित थे, जिनमें से करीब चार लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। ऑटो म्यूटेशन प्रणाली को एक महीने तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया गया, जिसके दौरान प्राप्त सुझावों और फीडबैक को अंतिम प्रणाली में शामिल किया गया।

प्रारंभिक चरण में ही लगभग 50 हजार इंतकाल स्वतः दर्ज किए जा चुके हैं। जिन मामलों में खेवट विभाजन की आवश्यकता नहीं होगी, उनमें 24 घंटे के भीतर इंतकाल स्वीकृत हो जाएगा। वहीं, जिन मामलों में खेवट विभाजन जरूरी होगा, उनका निपटारा अधिकतम 10 दिनों के भीतर किया जाएगा।

ऑनलाइन मिलेगी इंतकाल की पूरी जानकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले 15 दिनों के भीतर शेष सभी लंबित इंतकाल मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्री और इंतकाल प्रक्रिया पूरी तरह एक-दूसरे से जुड़ जाएगी।

अब नागरिक अपने इंतकाल की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे तथा उसकी प्रमाणित प्रति डाउनलोड और प्रिंट भी कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि इस डिजिटल पहल से पारदर्शिता बढ़ेगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और राजस्व सेवाओं को अधिक तेज, सरल और नागरिक-केंद्रित बनाया जा सकेगा।

शिमला को मिली नई बहुमंजिला पार्किंग

150 वाहनों की क्षमता वाली सुविधा का सीएम सुक्खू ने किया उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 जून (बी. शर्मा)

पहाड़ों की रानी शिमला में ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या से जूझ रहे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिली है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर को जाम मुक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ऑकलैंड टनल के पास निर्मित बहुमंजिला पार्किंग को आम जनता के लिए समर्पित कर दिया गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को इस आधुनिक पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया।

करीब 7.60 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस बहुमंजिला पार्किंग में एक साथ 150 वाहनों को खड़ा करने की सुविधा उपलब्ध है। पार्किंग शुरू होने से सबसे अधिक लाभ इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आईजीएमसी) आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को मिलेगा।

आईजीएमसी के समीप 700 वाहनों की क्षमता वाली एक बड़ी पार्किंग का निर्माण कार्य भी जारी है। जब तक वह परियोजना पूरी नहीं होती, तब तक ऑकलैंड टनल की यह पार्किंग अस्पताल आने वाले लोगों के लिए राहत का प्रमुख साधन बनेगी और आसपास के क्षेत्रों में लगने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने में मदद करेगी।

ट्रैफिक दबाव कम करने पर सरकार का फोकस

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि शिमला में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे शहर की सड़कों पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए नई पार्किंग सुविधाओं का विस्तार कर रही है और शहर के यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए कई परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

उन्होंने नगर निगम के प्रयासों की भी सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कदम उठा रहा है।

इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह , स्थानीय विधायक हरीश जनार्थ , मेयर सुरेंदर चौहान , डिप्टी मेयर उमा कौशल तथा वार्ड पार्षद मीना चौहान सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

हिमाचल में 19 नई पनबिजली परियोजनाओं को मिली रफ्तार

3,336 करोड़ रुपये का होगा निवेश

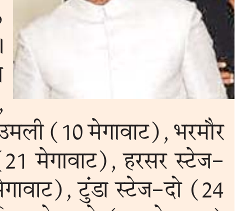

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य की ऊर्जा क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2026 में 19 नई पनबिजली परियोजनाओं के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं की कुल उत्पादन क्षमता 278 मेगावाट होगी और इनमें लगभग 3,336 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, स्वीकृत परियोजनाओं में सोयल दशाल (9 मेगावाट), खौली-दो (6 मेगावाट), ग्रामंग (9 मेगावाट), उमली (10 मेगावाट), भरमौर स्टेज-एक (24 मेगावाट), भरमौर स्टेज-दो (21 मेगावाट), हरसर स्टेज-दो (22.5 मेगावाट), हरसर स्टेज-तीन (19 मेगावाट), टुंडा स्टेज-दो (24 मेगावाट), जंगलिक (18 मेगावाट) और रूपिन स्टेज-दो (15 मेगावाट) सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा डुनाली-एक और दो (17 मेगावाट), जारी (12 मेगावाट), तोरल कुंडली (18 मेगावाट), टुंडन (15 मेगावाट), कोट डोगरी (10 मेगावाट), अपर कुर्मी (8 मेगावाट), कलाल खोल (11 मेगावाट) और मेलन (9.6 मेगावाट) पनबिजली परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 15 पनबिजली परियोजनाओं का आवंटन रद्द कर दिया गया है, क्योंकि संबंधित डेवलपर्स द्वारा परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने में पर्याप्त रुचि नहीं दिखाई गई। अब इन परियोजनाओं के शीघ्र विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बोलियां आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश की विशाल पनबिजली क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से न केवल ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही हिमाचल प्रदेश को देश के प्रमुख हरित ऊर्जा उत्पादक राज्यों में और मजबूत पहचान मिलेगी।

जरूरत पड़ी तो करेंगे नए स्टाफ की भर्ती : अग्निहोत्री

एचआरटीसी की हड़ताल पर डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का अल्टीमेटम

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 जून (एएम नाथ)

एचआरटीसी कर्मचारियों के 24 जून से चक्का जाम के एलान पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो नए चालक-परिचालक की भर्ती करेंगे, लेकिन एचआरटीसी सेवाओं को बाधित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एस्मा लागू है और कानून हाथ में लेने की किसी को इजाजत नहीं है। चक्का जाम करके मांगों का समाधान नहीं निकलेगा।

भाषा की मर्यादा भुलाकर सख्ती को मजबूर किया : कर्मचारियों ने भाषा की मर्यादा भुलाकर सरकार को सख्ती करने पर मजबूर किया है। मुकेश अग्निहोत्री ने साफ किया कि प्रदेश में आवश्यक सेवा रखरखाव कानून यानी एस्मा लागू है। ऐसे में हड़ताल या चक्का जाम कर कानून को हाथ में लेने की किसी को इजाजत नहीं है। सरकार एचआरटीसी की सेवाओं को किसी भी सूरत में बाधित नहीं होने देगी।

दबाव की राजनीति बर्दाश्त नहीं होगी : सरकार कर्मचारियों की मांगों

को लेकर बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, लेकिन दबाव की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ कर्मचारी नेताओं ने भाषा की मर्यादा को भुला दिया है और अनावश्यक बयानबाजी कर सरकार को सख्त कदम उठाने पर मजबूर किया है। एचआरटीसी प्रदेश की लाइफलाइन है।

एस्मा का मतलब

हड़ताल पर पूरी तरह रोक : परिवहन सेवाओं से जुड़ा कोई भी कर्मचारी किसी भी प्रकार की हड़ताल शुरू नहीं करेगा, न ही उसमें भाग लेगा या उसे बढ़ावा देगा।

काम में बाधा डालने की मनाही : कोई भी कर्मचारी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा कोई काम नहीं करेगा जिससे सरकारी बस या परिवहन सेवाओं के सामान्य और सुचारू संचालन में किसी तरह की रुकावट, देरी या बाधा आए।

हड़ताल को गैरकानूनी माना जाएगा : इस आदेश के खिलाफ जाकर की गई किसी भी हड़ताल को गैरकानूनी माना जाएगा और ऐसे कर्मचारियों पर कानूनी-दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कर्तव्यों का पालन जरूरी : सभी कर्मचारियों को अपने काम पर बने रहना होगा और अपने वरिष्ठ अधिकारियों (कंट्रोलिंग अथारिटी) द्वारा दिए गए कानूनी निर्देशों का पालन करना होगा।

कड़ी निगरानी और रिपोर्टिंग : हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के प्रबंध निदेशक इस आदेश को सख्ती से लागू करवाएंगे और नियम तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति की रिपोर्ट तुरंत सरकार को देंगे।

सुरक्षा और कानून व्यवस्था : संबंधित जिलों के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (पुलिस अधीक्षक) इस अधिसूचना को पूरी तरह से लागू करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव जरूरी सहायता प्रदान करेंगे।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/ 2010/36540